

मुख्यमंत्री का काशा पाट में रात्रि प्रवास, दुर्गम क्षेत्रों के विकास को प्राथमिकता

काशा पाट विद्यालय के लिए दो करोड़

रुपये की घोषणा

तकलेच होते हुए रामपुर तक बस सेवा

शुरू करने का दिया आश्वासन

शिमला ब्यूरो। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द सिंह सुक्खू शिमला जिला के रोहडू विधानसभा क्षेत्र के भटवाड़ी में ‘सरकार गांव के द्वार’ कार्यक्रम में भाग लेने के पश्चात् रामपुर विधानसभा क्षेत्र के दुर्गम गांव काशा पाट पहुंचे। उन्होंने गांव में रात्रि प्रवास किया और पाट निवासी सुपन दास के घर रात्रि विश्राम किया। मुख्यमंत्री का काशा पाट पहुंचने पर स्थानीय लोगों ने पारंपरिक वाद्य यंत्रों की मधुर धुनों के बीच गर्मजोशी से स्वागत किया। ग्रामीणों ने उन्हें सम्मानित करने के साथ पारंपरिक वेशभूषा भेंट कर उनका अभिनंदन किया। देर रात तक ग्रामीणों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिनका मुख्यमंत्री ने आनंद लिया और स्वयं भी नाटी में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वह स्वयं ग्रामीण पृष्ठभूमि से संबंध रखते हैं और उनका मानना है कि जब तक गांवों में आर्थिक समृद्धि नहीं आएगी, तब तक प्रदेश सही मायनों में खुशहाल नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि काशा पाट जैसे दुर्गम क्षेत्र में मुख्यमंत्री के रूप में पहुंचना उनके लिए सौभाग्य की बात है। राज्य सरकार दुर्गम और दूरदराज क्षेत्रों के विकास को विशेष प्राथमिकता दे रही है ताकि ये क्षेत्र विकास की मुख्यधारा से पीछे न रहें।

बेहतर शिक्षा के माध्यम से युवाओं का भविष्य सुरक्षित करने के लिए प्रदेश सरकार निरंतर प्रयासरत - संजय अवस्थी

अर्की में सुनीं जन समस्याएं

सोलन ब्यूरो। अर्की के विधायक संजय अवस्थी ने कहा कि प्रदेश के युवाओं को बेहतर शिक्षा एवं श्रेष्ठ अधोसंरचना प्रदान कर उनका भविष्य सुरक्षित बनाने के लिए प्रदेश सरकार निरंतर कार्यरत हैं। संजय अवस्थी आज अर्की में जन समस्याएं सुनने के उपरांत उपस्थित जनसमूह के साथ संवाद कर रहे थे। विधायक ने कहा कि कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के गतिशील नेतृत्व में प्रदेश सरकार शिक्षा क्षेत्र की मजबूती पर विशेष ध्यान दे रही है। प्रदेश सरकार के प्रयासों से ही हिमाचल प्रदेश गुणात्मक शिक्षा के क्षेत्र में 5वें स्थान पर आ गया है। उन्होंने कहा कि 99.55 प्रतिशत साक्षरता दर के साथ हिमाचल आज पूर्ण साक्षर राज्य बन चुका है। संजय अवस्थी ने कहा कि प्रदेश सरकार जहां विद्यालय स्तर पर गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान करने के लिए अधोसंरचना मजबूत कर रही है वहीं रोजगार एवं स्वरोजगार के बेहतर अवसर सृजित करने के लिए कृत्रिम मेधा, डाटा साईंस, मशीन लर्निंग, रोबोटिक्स जैसी भविष्य की सम्भावनाओं को पाठ्यक्रम के रूप में छात्रों तक पहुंचाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने 1,471 पंजीकृत श्रमिकों को 5.78 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की

शिमला ब्यूरो। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द सिंह सुक्खू ने रामपुर विधानसभा क्षेत्र के नोगली में हिमाचल प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कामगार कल्याण बोर्ड के माध्यम से प्रदेश के 1,471 पंजीकृत श्रमिकों एवं उनके आश्रितों को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के तहत कुल 5,78,81,725 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की। इस सहायता से विधवा, दिव्यांग एवं जरूरतमंद श्रमिक परिवारों के साथ-साथ श्रमिकों के बच्चों को उच्च एवं तकनीकी शिक्षा, विवाह तथा अन्य जरूरतों के लिए आर्थिक संबल मिला।

मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत विधवा, एकल, निराश्रित एवं दिव्यांग महिलाओं को घर के निर्माण के लिए कुल 45.95 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की गई। यह सहायता जरूरतमंद महिलाओं को सुश्र्चित आवास उपलब्ध करवाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

वित्तीय सहायता का एक बड़ा हिस्सा पंजीकृत श्रमिकों के बच्चों की शिक्षा और विवाह के लिए प्रदान किया गया। शिक्षा सहायता योजना के तहत 968 लाभार्थियों को 2,74,04,500 रुपये, जबकि विवाह सहायता योजना के तहत 359 लाभार्थियों को 1,83,09,000 रुपये की सहायता प्रदान की गई।

इसके अतिरिक्त दुर्घटना मृत्यु एवं अंतिम संस्कार सहायता के 21 मामलों

नरेश चौहान ने राज्य स्तरीय कैडेट एवं जूनियर जूडो प्रतियोगिता का शुभारंभ किया

11जिलोंसे विभिन्न आयु वर्ग के 250 खिलाड़ी ले रहे हैं भाग

शिमला ब्यूरो। मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार मीडिया नरेश चौहान ने आज इंदिरा गांधी राज्य खेल परिसर, शिमला में 38वीं राज्य स्तरीय कैडेट एवं जूनियर जूडो प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। इस दो दिवसीय प्रतियोगिता में 11 जिलों से



हिमाचल



मुख्यमंत्री ने काशा पाट में नए स्कूल भवन के निर्माण के लिए दो करोड़ रुपये प्रदान करने की घोषणा की। उन्होंने गांव में खेल मैदान विकसित करने की भी घोषणा की तथा स्थानीय लोगों द्वारा रखी गई विभिन्न मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिया।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे और उसे स्कूल आने-जाने में किसी प्रकार की कठिनाई न हो। इसी उद्देश्य से सरकार काशा पाट से तकलेच होते हुए रामपुर तक बस सेवा शुरू करने का प्रयास कर रही है, जिससे बच्चों को समय पर स्कूल पहुंचने और छुट्टी के बाद सुरक्षित घर लौटने में सुविधा मिल सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि गांव का कोई व्यक्ति अधिकतम 30 लाख रुपये की लागत से बस

खरीदकर यह सेवा शुरू करता है, तो राज्य सरकार द्वारा 40 प्रतिशत सब्सिडी प्रदान की जाएगी। रोहडू क्षेत्र के लिए भी इसी प्रकार 40 प्रतिशत सब्सिडी का प्रावधान किया जाएगा। इसके अतिरिक्त बस मालिक को पांच वर्ष तक प्रति माह 50 हजार रुपये की सहायता भी प्रदान की जाएगी।

श्री सुक्खू ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में सड़क निर्माण के लिए कई बार वन विभाग से अनुमति लेनी पड़ती है। प्रदेश की लगभग 68 प्रतिशत भूमि वन क्षेत्र के अंतर्गत होने के कारण दुर्गम क्षेत्रों में सड़क निर्माण के दौरान अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। राज्य सरकार इन चुनौतियों के बावजूद दूरदराज के क्षेत्रों को बेहतर सड़क और अन्य बुनियादी सुविधाओं से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। उन्होंने

तीन वर्षों में 10 हजार से अधिक शिक्षक भर्ती, अगले छह माह में 4 हजार और शिक्षक होंगे नियुक्त: मुख्यमंत्री

ओपीएस जारी रहेगी, आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए नीति जल्द होगी लागू: सीएम

शिमला ब्यूरो। मुख्यमंत्री ठाकुर

सुखविन्द सिंह सुक्खू ने आज जिला शिमला के रामपुर विधानसभा क्षेत्र के नोगली में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में अब तक 10 हजार से अधिक शिक्षकों की भर्ती की गई है तथा आगामी छह माह में चार हजार और शिक्षकों की नियुक्ति की जाएगी। उन्होंने कहा कि गुणात्मक शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रदेश में 150 से अधिक सीबीएसई स्कूल खोले गए हैं। इन स्कूलों में लगभग दो हजार शिक्षकों की नियुक्ति की जा चुकी है। इन स्कूलों में ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को उनके घर-द्वार के

हिमाचल

कहा कि जिन महिला मंडलों के पास अपने भवन नहीं हैं, उन्हें भवन निर्माण के लिए पांच-पांच लाख रुपये प्रदान किए जाएंगे। वहीं, जिन महिला मंडलों के पास पहले से भवन उपलब्ध हैं, उन्हें आवश्यक सामान खरीदने के लिए एक-एक लाख रुपये की सहायता दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार शीघ्र ही अपना परिवार, सुखी परिवार योजना शुरू करने जा रही है, जिसके तहत पात्र महिलाओं को 1,500 रुपये प्रतिमाह पेंशन प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार सौर ऊर्जा परियोजनाओं को भी प्रोत्साहित कर रही है। सौर ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित करने के लिए चार प्रतिशत ब्याज सब्सिडी प्रदान की जा रही है, जबकि जनजातीय क्षेत्रों में यह सब्सिडी पांच प्रतिशत है। मुख्यमंत्री ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाली बच्चियों के उत्साहवर्धन के लिए एक लाख रुपये देने की घोषणा की। कार्यक्रम के दौरान नशा निवारण और भ्रूण हत्या जैसे गंभीर सामाजिक मुद्दों पर भी जागरूकता प्रस्तुतियां दी गईं। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से ग्रामीणों को सामाजिक कुुरीतियों के खिलाफ जागरूक रहने का संदेश दिया गया।

मुख्यमंत्री ने काशा पाट में होम स्टे के लिए पंजीकरण करवाने वाले चार लोगों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए। उन्होंने कहा कि होम स्टे के माध्यम से दूरदराज के क्षेत्रों में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा तथा स्थानीय लोगों के लिए आय और रोजगार के नए अवसर विकसित होंगे। उन्होंने विश्व पर्यटन सप्ताह के अवसर पर आयोजित चित्रकला प्रदर्शनी के विजेताओं को पुरस्कार राशि प्रदान की।



निकट बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलेगी। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड से संबद्ध 300 विद्यालयों को स्कूल ऑफ़ एक्सीलेंस के रूप में विकसित किया जा रहा है।

श्री सुक्खू ने कहा कि वर्ष 2021 में पूर्व भाजपा सरकार के कार्यकाल में गुणात्मक शिक्षा के क्षेत्र में हिमाचल प्रदेश 21वें स्थान पर था, जबकि वर्तमान सरकार के प्रयासों से प्रदेश अब पांचवें स्थान पर पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल हैं तथा इन क्षेत्रों में धन की कमी आड़े नहीं आने दी जाएगी।

छात्रा की मांग पर मुख्यमंत्री ने रचौली स्कूल भवन निर्माण के लिए दो करोड़ रुपये की घोषणा की

शिमला ब्यूरो। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द सिंह सुक्खू ने आज राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला रामपुर बुशहर में विद्यार्थियों के साथ सीधा संवाद किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने शिक्षा, पर्यटन, सामाजिक समानता, शिक्षकों की गैर-शैक्षणिक इयूटी और नए सहित विभिन्न विषयों पर मुख्यमंत्री से सवाल पूछे व अपनी मांगें भी रखीं।

एक छात्रा ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला रचौली के भवन निर्माण का आग्रह किया। छात्रा ने बताया कि विद्यालय वर्तमान में दो स्थानों पर संचालित हो रहा है तथा एक स्थान पर पर्याप्त भूमि उपलब्ध है, जहां विद्यालय भवन का निर्माण किया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने मांग को स्वीकार करते हुए विद्यालय भवन निर्माण के लिए दो करोड़ रुपये प्रदान करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यदि भवन निर्माण के लिए इससे अधिक धनराशि की आवश्यकता होगी तो राज्य सरकार अतिरिक्त धनराशि भी उपलब्ध करवाएगी।

एक अन्य छात्रा ने मुख्यमंत्री से देश सेवा के लिए उन्होंने राजनीति को ही देना सेवा का माध्यम क्यों चुना। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह राजनीति के माध्यम से देश सेवा कर रहे हैं। व्यक्ति को उसी क्षेत्र में कार्य करना चाहिए, जिसमें उसकी रुचि हो। उन्होंने बताया कि छात्र जीवन से ही उनकी रुचि राजनीति में रही है और राजनीति भी

जनसेवा का एक माध्यम है।

एक विद्यार्थी ने सवाल किया कि यदि वह राजनीति में नहीं होते तो क्या करते। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह खेती-बाड़ी करते।

समाज में बढ़ती अमीर-गरीब की खाई से जुड़े सवाल पर मुख्यमंत्री ने इसे चिंतनीय विषय बताया। उन्होंने कहा कि समाज में समानता आवश्यक है और राज्य सरकार इस दिशा में निरंतर प्रयास कर रही है। एक अन्य विद्यार्थी ने मुख्यमंत्री से उनके पसंदीदा भोजन के बारे में पूछा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें हिमाचल के पारंपरिक स्थानीय व्यंजन पसंद हैं और सिद्ध उनका पसंदीदा व्यंजन है।

एक विद्यार्थी ने पूछा कि क्या उन्होंने छात्र जीवन में कभी मुख्यमंत्री बनने के बारे में सोचा था। इस सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि व्यक्ति जिस दिशा में कर्म और मेहनत करता है, उसी दिशा में रास्ते बनते जाते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन में अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निरंतर मेहनत करने की प्रेरणा दी।

एक विद्यार्थी ने रामपुर में सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस स्थापित करने की मांग रखी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर परिवर्तन हो रहा है। राज्य सरकार शिक्षा व्यवस्था में सुधार और गुणवत्तापूर्ण संस्थानों के विकास पर विशेष ध्यान दे रही है।



युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के लिए नए अवसर किए जा रहे सृजित: राजेश धर्माणी

शिमला ब्यूरो। राज्य सरकार प्रदेश में युवाओं के कौशल विकास और तकनीकी क्षेत्र में रोजगार सृजन के लिए एक मजबूत व्यवस्था विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य सरकार हिमाचल प्रदेश को कुशल मानव संसाधन का केन्द्र बनाने और राज्य के युवाओं को बाजार की मांग के अनुरूप दक्ष बनाने की दिशा में निरंतर प्रयासरत हैं और सरकार के इन प्रयासों के सार्थक परिणाम सामने आ रहे हैं। तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी की उपस्थिति में उम्बर मात्रा इन्फोटेक प्राइवेट लिमिटेड और प्रदेश सरकार के तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक एवं औद्योगिक प्रशिक्षण निदेशालय के मध्य एक समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया गया। प्रदेश सरकार की ओर से निदेशक तकनीकी शिक्षा रोहित राठीर और उम्बर मात्रा की ओर से नीतृ विज ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस साझेदारी का उद्देश्य नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं की रोजगार के बेहतर अवसरों तक पहुंच सुनिश्चित करना और शिक्षा एवं रोजगार के बीच की दूरी को कम करना है।

इससे उद्योग और शिक्षा जगत के बीच सहयोग को मजबूती मिलेगी। इसके तहत विद्यार्थियों के लिए प्लेसमेंट एवं इंटरशिप के अवसर, प्रौद्योगिकी के माध्यम से प्रशिक्षुओं तक सेवाओं और रोजगार के अवसरों तक पहुंच, कौशल विकास कार्यशालाएं और विशेषज्ञ सत्र आयोजित किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त उद्योग जगत की सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों को साझा करके पाठ्यक्रमों को अधिक उपयोगी बनाने और युवाओं की रोजगार क्षमता बढ़ाने पर भी विशेष बल दिया जाएगा। तकनीकी शिक्षा मंत्री ने विद्यार्थियों को उद्योगों से जोड़ने के उद्देश्य से रवपद उममस ऐप का शुभारम्भ भी किया। इस ऐप पर विद्यार्थी नि:शुल्क पंजीकरण कर अपनी शैक्षणिक योग्यता, तकनीकी एवं अन्य कौशल और करियर संबंधी प्राथमिकताओं की जानकारी उपलब्ध करवा सकेंगे। यह डिजिटल प्लेटफॉर्म विद्यार्थियों और उद्योगों के बीच एक प्रभावी सेतु का कार्य करेगा। इससे विद्यार्थियों को उनकी योग्यता के अनुरूप रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।

तकनीकी शिक्षा मंत्री ने कहा कि इस सहयोग से उद्योग और शिक्षण संस्थानों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होगा। इसके अतिरिक्त, कुशल कार्यबल को रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने में यह पहल महत्वपूर्ण साबित होगी। इसके माध्यम से हिमाचल प्रदेश के युवाओं को कुशल बनाया जाएगा ताकि हिमाचल के युवा भविष्य के लिए एक कुशल एवं सक्षम कार्यबल के रूप में तैयार हों।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने युवाओं के लिए सार्थक रोजगार के अवसर सृजित करने के लिए तकनीकी रोजगार सेतु पोर्टल शुरू किया है। यह पोर्टल एक व्यापक डिजिटल प्लेटफॉर्म के रूप में विकसित किया गया है, जिसमें विद्यार्थी अपनी प्रोफाइल और प्रमाण-पत्रों का विवरण अपलोड करते हैं। सरकार के इस कदम से छात्रों को रोजगार के अवसरों और उद्योगों की आवश्यकताओं तक सीधी पहुंच सुनिश्चित हो रही है।

मानसिक बीमारी से जूझ रहे लोगों के लिए 07 से 09 अक्तूबर तक चलाया जाएगा विशेष अभियान

सोलन ब्यूरो। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण द्वारा 07 से 09 अक्तूबर, 2026 तक मानसिक बीमारी के कारण भटक रहे बेघर लोगों की सहायता के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। यह जानकारी जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के सचिव प्रशांत सिंह नेगी ने दी। प्रशांत सिंह नेगी ने कहा कि इस विशेष अभियान का उद्देश्य मानसिक बीमारी से जूझ रहे लोगों को उपचार के साथ सम्मानजनक जीवन उपलब्ध करवाना है। उन्होंने कहा कि इस विशेष अभियान में जिला प्रशासन, पुलिस, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग सहित अन्य विभागों और पेरा लीगल वालंटियरों की सहायता ली जाएगी। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के सचिव ने आम जन से इस विशेष अभियान में सहयोग देने की अपील की है। उन्होंने कहा कि अधिक जानकारी के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सोलन के कार्यालय दूरभाष नम्बर 01792-220713 या टोल फ्री नम्बर 15100 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

5 और 6 को सिद्धपुर विद्युत उपमंडल के तहत बिजली बंद रहेगी

धर्मशाला ब्यूरो। विद्युत उप-मण्डल सिद्धपुर के सहायक अभियंता संतोष कुमार ने जानकारी दी है कि 5 अक्टूबर को 11 केवी होडल फीडर के क्षेत्र सिद्धपुर, फतेहपुर, घुरलूनाला, उपाहू, अप्पर सुकड़, लोअर सुकड़, त्रिनेत्र महादेव, बाघणी तथा आसपास के क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। इसके अतिरिक्त 06 अक्टूबर को 11 केवी खनियारा फीडर के अंतर्गत सिद्धपुर, एजुकेशन बोर्ड कॉलोनी के समीप, नोर्बुलिंगा, फंकी टाउन, लोअर मोहली, मोहली, हिमाचल प्रदेश विद्यालय मोहली, खनियारा, पटोला, नाग मंदिर, टीटीएस फूड एंड क्राफ्ट, सांबर लाहड़, थालरी, आगंर महादेव, खरोटा, नड्डी और आसपास के क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। इसके साथ ही 06 अक्टूबर को 11 केवी टग फीडर के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र टंग, तिरंगा, खबर, ढब चैक, टिकरी, सालिंग, बगियारा, कंड करंडियाना, उहुल, दिक्कू, नरवाणा, नरवाणा कस्बा, बलेहर, तंगरोटी तथा आसपास के क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी।

22वें हिमाचल उत्सव का रंगारंग आगाज आज

सोलन ब्यूरो। Dynamic इंडिया युवा मंडल सोलन द्वारा आयोजित 22वां हिमाचल उत्सव 4 से 11 अक्टूबर तक सोलन के ऐतिहासिक ठोडो मैदान में भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा। आठ दिवसीय इस उत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ शॉपिंग मेला, फूड फेस्टिवल और ग्रामीण खेलों सहित विभिन्न आकर्षण लोगों के लिए उपलब्ध होंगे। हिमाचल प्रदेश के सबसे बड़े गैर-सरकारी मेलों में पहचान बना चुके हिमाचल उत्सव में देशभर से आए ग्रामीण दस्तकारों और कुटीर उद्योगों द्वारा तैयार उत्पादों की प्रदर्शनी एवं बिक्री की जाएगी।

आवश्यक सूचना

पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे उद्देश्य की पूर्ति या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञानों के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

हरियाणा के सभी मंत्रियों और विधायकों से प्रधानमंत्री की मुलाकात ऐतिहासिक और प्रेरणादायक: मुख्यमंत्री नायब सैनी

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बोले- प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का मार्गदर्शन हमारा संकल्प

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा भवन में की प्रेसवार्ता

चंडीगढ़, हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के साथ प्रदेश के मंत्रियों और विधायकों की मुलाकात ऐतिहासिक और प्रेरणादायक रही। प्रधानमंत्री ने हरियाणा के विकास, जनसेवा और संगठन को लेकर महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का मार्गदर्शन हमारा संकल्प है, जिसे हम सभी धरातल पर उतारने का कार्य करेंगे। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी शनिवार को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी

से मुलाकात के बाद नई दिल्ली के हरियाणा भवन में प्रेसवार्ता के दौरान बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने इस मुलाकात के लिए लंबा समय दिया, जिसके लिए हम आभारी हैं। उन्होंने कहा कि यह साधारण बैठक नहीं, बहुत महत्वपूर्ण बैठक थी। बैठक में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने हरियाणा को विकसित भारत के संकल्प से और मजबूती से जोड़ने का स्पष्ट मार्गदर्शन दिया। उन्होंने विश्वास जताया कि सभी मंत्रीगण और विधायकगण प्रधानमंत्री की बातों को अपने-अपने क्षेत्र में, प्रदेश के लोगों के हित में धरातल पर उतारने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि मोदी जी का मार्गदर्शन हरियाणा का संकल्प है। प्रधानमंत्री ने जो मंत्र दिया है, वह हमारा संकल्प है। आज प्रधानमंत्री से जो दिशा मिली है, उसे केवल बैठक तक सीमित नहीं रखा जाएगा। अब हर मंत्री अपने विभाग में, हर विधायक अपने विधानसभा क्षेत्र में और हर कार्यकर्ता अपने गांव में इस सोच को जमीन पर उतारने का काम करेंगे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने स्पष्ट कहा है कि सरकार जनता के बीच जाए,



मंत्रीगण जनता के बीच जाएं, विधायक जनता के बीच जाएं और कार्यकर्ता जनता के बीच जाएं। समस्या जमीन पर जाकर सुनी जाए और समाधान जमीन पर दिखाई दे। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि विकसित भारत का संकल्प हरियाणा के हर गांव और हर परिवार का संकल्प बनेगा। प्रधानमंत्री के दिशा-निर्देशों और मार्गदर्शन को पूरी निष्ठा, शक्ति और जन भागीदारी के साथ पूरा किया जाएगा।

*विकसित भारत केवल सरकारों के प्रयासों से नहीं बनेगा: मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि विकसित भारत केवल सरकारों के प्रयासों से नहीं बनेगा। यह तब बनेगा, जब देश का हर गांव, हर किसान, हर युवा, हर महिला और हर परिवार इस संकल्प के साथ जुड़ेगा। जब हर परिवार इस संकल्प से जुड़ेगा, तभी विकसित भारत के साथ विकसित हरियाणा भी बनेगा। उन्होंने कहा कि इस राष्ट्रीय संकल्प में हरियाणा की महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रधानमंत्री के दिशा-निर्देशों के अनुसार सरकार का प्रयास रहेगा कि सरकार और जनता के बीच कोई दूरी न रहे। हर सरकारी योजना केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि जन भागीदारी से जन अभियान बने। प्रधानमंत्री ने लोगों को अधिक से अधिक जोड़ने पर विशेष जोर दिया है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि इसी के तहत विधानसभा क्षेत्रों में नियमित रूप से 30 से 35 गांवों में बैठकें आयोजित की जाएंगी। प्रधानमंत्री ने मार्गदर्शन दिया है कि 200 से 300 लोगों की टोली महीने में एक बार गांव में जाए। वहां स्वच्छता अभियान चले और टिफिन बैठक हो। गांव के लोगों के साथ बैठकर संवाद हो, स्थानीय समस्याओं पर चर्चा हो और उनके समाधान का रास्ता निकले।

*हरियाणा को परिवार की तरह मानते हैं प्रधानमंत्री: मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हरियाणा के साथ उनका लंबे समय तक जुड़ाव रहा है। वे हरियाणा को परिवार की तरह मानते हैं। पारिवारिक वातावरण में उन्होंने सभी विधायकों से बातचीत की। प्रधानमंत्री ने बताया कि पार्टी के काम के लिए वे हरियाणा के हर क्षेत्र में लोगों के घरों में रुकते थे और वहां से सबके बीच जाते थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री हरियाणा के लोगों से बहुत स्नेह और प्यार करते हैं। उनके दिशा-निर्देशों के अनुसार मंत्रीगण, विधायकगण और कार्यकर्ता जनता के बीच जाएंगे, उनकी बातें सुनेंगे और जनता के साथ मिलकर उनका समाधान निकालेंगे। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट किया है कि राजनीति सत्ता नहीं, सेवा का माध्यम है। प्रधानमंत्री ने सेवा के माध्यम से राजनीति का मार्ग दिखाया है। राजनीति केवल चुनाव जीतने का माध्यम नहीं है।

जो सही है वही कर रहे है मुख्य चुनाव आयुक्त, तिकड़मबाजी से बने फर्जी वोट काटना उनका काम : अनिल विज

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर हो रहे प्रदर्शन पर तौखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ज्ञानेश कुमार वही काम कर रहे हैं जो एक मुख्य चुनाव आयुक्त को करना चाहिए और वो काम है मतदाता सूचियों का शुद्धिकरण करना ताकि कोई भी नाजायज आदमी जो वोट का हकदार नहीं है और उसने किसी तिकड़मबाजी से मतदाता सूची में अपने नाम डलवा दिए हैं तो उन नामों को डिलीट किया जा सके। प्रक्रारों से बातचीत के दौरान ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि जो मतदाता यहां से कहीं दूसरी जगह ट्रांसफर होकर चले गए हैं या फिर कोई महिला यहां से कहीं और शादी करकर चली गई या फिर जिन लोगों का देहांत हो गया है उन लोगों के नाम डालना और निकालना, यही चुनाव आयोग का काम है। इसको लेकर उन्होंने विपक्षी पार्टियों खासकर कांग्रेस पार्टी पर तीखा प्रहार किया। ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि कांग्रेस पार्टी को लगातार जनता नकार चुकी है और लगातार यह कई चुनाव हार चुके हैं इसलिए ये बौखला गए हैं। उन्होंने तंज करते हुए कहा कि जैसे कोई बच्चा स्कूल में फेल होकर रोता है और कभी मास्टर को, कभी कमेरे को तो कभी किसी पर दोष लगाता है उसी प्रकार ये हारे हुए हैं और अपनी झोप मिटाने के लिए ये कभी ईवीएम पर कभी चुनाव आयोग पर आरोप लगाते हैं और मुझे ये लगता है कि जितनी भी हमारी प्रजातांत्रिक संस्थाएं हैं यह उन पर बारी-बारी प्रहार लगा रहे हैं।

हरियाणा एसटीएफ ने पांच लाख रुपये के इनामी मोस्ट वांटेड आरोपी को किया गिरफ्तार

पंचकूला/हिसार, । हरियाणा पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल करते हुए पांच लाख रुपये के इनामी मोस्ट वांटेड आरोपी को गिरफ्तार किया है। हिसार एसटीएफ की टीम ने विशेष सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी को हिसार के राजगढ़ रोड स्थित बाईपास फ्लाईओवर के पास से काबू किया। आरोपी पंजाब के अबोहर में एक शोरूम संचालक की हत्या के मामले में वांछित था और पंजाब पुलिस द्वारा उसकी गिरफ्तारी पर पांच लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

गिरफ्तार आरोपी पंजाब के राजीव नगर का निवासी है। एसटीएफ टीम ने आरोपी के कब्जे से एक अवैध .32 बोर पिस्तौल और तीन जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। बरामदगी के संबंध में थाना आजाद नगर, हिसार में एकआईआर नंबर 520, दिनांक 2 अक्टूबर, 2026 को शस्त्र अधिनियम की धारा 25(6) और 25(1-क)(८) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस के अनुसार, आरोपी पंजाब के अबोहर में न्यू वेयरवेल शोरूम के संचालक संजय वर्मा



की हत्या के मामले में भी वांछित था। आरोप है कि आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर शोरूम के बाहर संजय वर्मा की हत्या की थी। इस संबंध में थाना सिटी-1, अबोहर, जिला फाजिल्का में 7 जुलाई, 2025 को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(3)(5) तथा शस्त्र अधिनियम की धाराओं 25, 27, 54 और 59 के तहत मामला दर्ज किया गया था। उक्त हत्या के मामले में पंजाब पुलिस द्वारा आरोपी की गिरफ्तारी में सहायक सूचना देने पर पांच लाख

रुपये का इनाम घोषित किया गया था। हिसार एसटीएफ की टीम ने सटीक सूचना और सुनियोजित कार्रवाई के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। आरोपी से पूछताछ एवं मामले की आगामी जांच जारी है। पुलिस द्वारा आरोपी की अन्य आपराधिक गतिविधियों, संभावित सलिप्तता और उसके सहयोगियों के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है, ताकि उसके आपराधिक नेटवर्क और अन्य मामलों में भूमिका का पता लगाया जा सके।

राष्ट्र सर्वोपरि की भावना से युवा तय करें विकसित भारत की दिशा : डॉ. अर्चना गुप्ता

पीएम मोदी ने शिक्षा नीति में सुनिश्चित किए कौशल आधारित बदलाव

गीता यूनिवर्सिटी के तीसरे दीक्षांत समारोह में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने युवाओं से किया संवाद

इसराना, । भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि भारत के युवाओं में प्रतिभा, परिश्रम और इच्छाशक्ति की कोई कमी नहीं है। आज युवाओं के सामने आगे बढ़ने के अनेक अवसर हैं। इन अवसरों का सदुपयोग करते हुए युवा स्वयं को सक्षम बनाएं और अपनी प्रतिभा को राष्ट्र की प्रगति से जोड़ें। युवाओं के पुरुषार्थ और सामर्थ्य से ही विकसित भारत 2047 का संकल्प साकार होगा और भारत विश्व में अग्रणी राष्ट्र बनने की दिशा में आगे बढ़ेगा।

शनिवार को गीता यूनिवर्सिटी, पानीपत के तीसरे दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए डॉ. अर्चना गुप्ता ने डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह केवल शिक्षा पूरी होने का अवसर नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति नई जिम्मेदारियों की



शुरुआत भी है।

उन्होंने कहा कि जीवन में राष्ट्र सर्वोपरि की भावना होनी चाहिए। व्यक्ति से बड़ा परिवार, परिवार से बड़ा समाज और समाज से भी बड़ा देश है। इसलिए युवाओं को केवल यह नहीं सोचना चाहिए कि वे अपने लिए क्या हासिल कर सकते हैं, बल्कि यह भी विचार करना चाहिए कि वे परिवार, समाज और राष्ट्र के लिए क्या योगदान दे सकते हैं।

डॉ. अर्चना गुप्ता ने युवाओं से 'मैं' से आगे बढ़कर 'वयम' की भावना अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जीवन केवल स्वयं तक सीमित नहीं होना चाहिए। हमें यह भी सोचना चाहिए कि अपने ज्ञान,



क्षमता और संसाधनों से किसी दूसरे व्यक्ति की सहायता कैसे कर सकते हैं। जब व्यक्ति के भीतर देने और समाज के लिए कुछ करने का भाव पैदा होता है, तो उसका योगदान राष्ट्र की शक्ति बन जाता है। देश की शिक्षा व्यवस्था में व्यापक बदलाव हुए हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से शिक्षा को समग्र, कौशल आधारित और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाने पर विशेष जोर दिया गया है। शिक्षा, कौशल, अनुसंधान और नवाचार के नए अवसर युवाओं के लिए खुले हैं। विद्यार्थियों को इन अवसरों का लाभ उठाते हुए अपनी प्रतिभा को राष्ट्र निर्माण में

लगाना चाहिए।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि भारत का युवा देश की सबसे बड़ी शक्ति है। युवा जिस भी क्षेत्र में जाएं, उत्कृष्टता को अपना लक्ष्य बनाएं और अपने कार्य से देश की प्रतिष्ठा बढ़ाएं। यदि प्रत्येक युवा प्रतिदिन यह विचार करे कि वह अपने परिवार, समाज और देश के लिए क्या योगदान दे सकता है, तो यही सामूहिक सोच भारत के भविष्य को नई दिशा देगी।

दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय के 450 से अधिक स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट विद्यार्थियों को डिग्रीयां प्रदान की गईं तथा उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। डॉ. अर्चना गुप्ता ने सभी विद्यार्थियों और शोधार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर गीता यूनिवर्सिटी के चांसलर एस.पी. बंसल, चेयरपर्सन गीता बंसल, प्रो-चांसलर निशांत बंसल, प्रो-चांसलर अंकुश बंसल, गवर्निंग बोर्ड की सदस्य डॉ. नेहा गुप्ता, विशिष्ट अतिथि एवं अशोक गीता यूनिवर्सिटी के प्लाक्षा यूनिवर्सिटी के संस्थापक विनीत, कुलपति डॉ. मनोज मनुजा, प्रो-वाइस चांसलर डॉ. गुलशन चौहान और रजिस्ट्रार डॉ. अमित गुप्ता सहित विश्वविद्यालय के अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।



हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी चंडीगढ़ स्थित आवास संत कबीर कुटीर पर लोगों की समस्याएं सुनते हुए।

पंचकूला के मैदान से ‘नशे को ना, खेल को हां’ का संदेश

रविवार को केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर की मौजूदगी में नमो क्रिकेट लीग का होगा शानदार समापन

चंडीगढ़/पंचकूला, तड़ देवी लाल स्टेडियम पंचकूला में जारी नमो क्रिकेट लीग में 'क्रिकेट का जो जुनून पिछले कई दिनों से दिखाई दे रहा है, उसका बड़ा अध्याय रविवार को पूरा होगा। नमो क्रिकेट लीग के ग्रैंड फिनाले में पूर्व केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर की मौजूदगी रहेगी। इसी के साथ सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या पंचकूला से शुरू हुई यह लीग अब हरियाणा-पंजाब की सीमाओं से निकलकर राष्ट्रीय मंच तक पहुंचेगी। आयोजक तरुण भंडारी के प्रयासों से आयोजित इस लीग ने क्रिकेट को युवाओं तक पहुंचाने के साथ 'नशे को ना, खेल को हां' का संदेश भी लगातार दिया है। बड़ी संख्या में खिलाड़ियों और दर्शकों की भागीदारी ने आयोजन को खास चर्चा में ला दिया है। देश में युवाओं को नशे से दूर रखने और खेलों से जोड़ने पर केंद्रित अभियानों के बीच नमो क्रिकेट लीग के राष्ट्रीय विस्तार की संभावना ने इस आयोजन को और महत्वपूर्ण बना दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह के नशामुक्ति संदेश को देखते हुए लीग के अगले चरण को देश के अन्य राज्यों तक ले जाने का विचार सामने आ सकता है। ऐसे में रविवार का फिनाले सिर्फ ट्रॉफी के लिए मुकाबला नहीं होगा। मैदान पर खिलाड़ियों की भिड़ंत के साथ मंच पर लीग के भविष्य को लेकर भी बड़ी घोषणा की उम्मीद रहेगी। नमो क्रिकेट लीग के शुरुआती चरणों में बड़ी संख्या में ग्रामीण और छोटे शहरों की टीमों ने हिस्सा लिया। अब यदि इसका राष्ट्रीय संस्करण सामने आता है तो देश के विभिन्न राज्यों के खिलाड़ियों को एक साझा मंच पर लाने की दिशा में यह अगला कदम हो सकता है। पंचकूला का रविवार का फिनाले इसलिए खास है, क्योंकि यहां सिर्फ विजता का फैसला नहीं होगा, बल्कि यह भी साफ हो सकता है कि नमो क्रिकेट लीग का अगला मैदान पंचकूला होगा या पूरा देश। सिंगर बी प्राक की लाइव परफॉर्मेंस के साथ नमो क्रिकेट लीग की शानदार समाप्ति होगी।

हिसार एसटीएफ ने दबोचा पांच लाख का इनामी मोस्ट वांटेड

हिसार, एजेंसी। हरियाणा पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पांच लाख रुपये के इनामी मोस्ट वांटेड आरोपी को गिरफ्तार किया है। हिसार एसटीएफ की टीम ने विशेष सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी को शुक्रवार की रात हिसार के राजगढ़ रोड स्थित बाईपास फ्लाईओवर के पास से काबू किया है। आरोपी पंजाब के अबोहर में शोरूम संचालक की हत्या के मामले में वांछित था और पंजाब पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी में सहायक सूचना देने पर पांच लाख रुपये का इनाम घोषित किया था। गिरफ्तार आरोपी पंजाब के राजीव नगर का निवासी है। एसटीएफ टीम ने उसके कब्जे से 32 बोर की एक अवैध पिस्तोल और तीन जिंदा कारतूस बरामद किए। बरामदगी के संबंध में थाना आजाद नगर विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार आरोपी अबोहर के न्यू वेयरवेल शोरूम के संचालक संजय वर्मा की हत्या के मामले में भी वांछित था। आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर शोरूम के बाहर संजय वर्मा की हत्या की थी। इस संबंध में थाना सिटी-1, अबोहर में सात जुलाई 2025 को हत्या व अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। एसटीएफ आरोपी से पूछताछ कर रही है। पुलिस उसकी अन्य आपराधिक गतिविधियों, संभावित सलिप्तता और सहयोगियों के बारे में जानकारी जुटा रही है, ताकि उसके आपराधिक नेटवर्क और अन्य मामलों में भूमिका का पता लगाया जा सके। हरियाणा के पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल ने कहा कि हरियाणा पुलिस संगठित अपराध, गंभीर मामलों में वांछित आरोपियों और फरार अपराधियों के खिलाफ लगातार प्रभावी कार्रवाई कर रही है। उन्होंने कहा कि अंतरराज्यीय पुलिस समन्वय मजबूत करने और अपराधियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए पुलिस पूरी प्रतिबद्धता से काम कर रही है।

पूर्व मंत्री हुए हदसे का शिकार, पहले धुआं निकला फिर कार में लगी भयानक आग

नारनौल, एजेंसी। हरियाणा से इस वक्त की बड़ी खबर सामने आ रही है। यहां पूर्व राजस्व एवं पुनर्वास मंत्री कैलाश चंद्र शर्मा गुरुवार शाम एक बड़े हदसे का शिकार होने से बाल-बाल बच गए। सेक्टर-एक में अचानक उनकी डिजायर कार के इंजन में आग लग गई। बता दें कि पूर्व मंत्री खुद गाड़ी चला रहे थे। जैसे ही उन्होंने इंजन से धुआं निकलता देखा, बिना समय गांव कार रोककर बाहर निकल आए। उनके उतरते ही कार के इंजन से तेज लपटें उठने लगीं, जिससे आसपास के रिहाइशी इलाके में कुछ समय के लिए अफरा-ताफरी मच गई। आसपास के लोगों ने कार में आग लगने की सूचना तुरंत फायर ब्रिगेड को दी।

संक्षिप्त

समाचार

जी -20 में भारत की दो टूक, डब्ल्यूटीओ के नियमों से ही चलेगा व्यापार

नई दिल्ली, एजेंसी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अमेरिका में त-20 के वाणिज्य एवं व्यापार मंत्रियों के सम्मेलन में यह आरोप खारिज किया कि भारत में कुछ सेक्टरों में जरूरत से ज्यादा मैनुफैक्चरिंग क्षमता है, जिससे किसी दूसरे देश के उद्योगों के हितों को नुकसान पहुंच सकता हो। गोयल ने कहा कि भारत अपने आप में विशाल देश है और अपनी जरूरतें पूरी करने के साथ यह वैश्विक स्तर पर आवश्यकताओं की पूर्ति में भी मदद करता है। उन्होंने कहा कि उत्पादन और सप्लाई चेन का दायरा बढ़ाना एक वाजिब मकसद है, लेकिन इसकी आड़ लेकर नियमों से बाहर के कदम नहीं उठाए जा सकते हैं और विकासशील देशों पर बोझ नहीं डाला जा सकता है।गोयल की यह बात भारत सरकार के अहम है कि अमेरिका की अगुवाई में त-20 में यह मुद्दा उठाया गया। साथ ही अलग से अमेरिका अपने सेक्शन 301 के तहत यह जांच कर रहा है कि भारत सहित 60 देशों में स्टील, टेक्सटाइल, ऑटोमोबाइल्स, केमिकल्स सहित कुछ सेक्टरों में ज्यादा मैनुफैक्चरिंग क्षमता होने से अमेरिकी हितों को नुकसान हो रहा है या नहीं।

भारत की दलील

गोयल ने कहा, 'जी-20 प्रेसिडेंसी ने जिन सेक्टरों को चिन्हित किया है, उनमें भारत के पास स्ट्रक्चरल एक्सेस कैपेसिटी नहीं है।' पीयूष गोयल ने कहा कि कई देशों ने यह चिंता जताई है कि कुछ देशों में अपने हितों को बढ़ावा देने की हरकतों से डंपिंग और कम दाम पर माल दूसरे देशों में उतारने की स्थिति बन सकती है और भारत की भी ऐसी ही चिंता है।अमेरिका के टैरिफ दबाव और भारत समेत 60 देशों में 'ओवरकैपेसिटी' की जांच के बीच गोयल ने त-20 बैठक में भारत पर लगे आरोप को खारिज किया।

3 कंपनियों के शेयरों का होने जा रहा है बंटवारा, इसी हफ्ते हुआ ऐलान



नईदिल्ली, एजेंसी। तीन कंपनियों के शेयरों का बंटवारा होने जा रहा है। इन कंपनियों ने इसी हफ्ते स्टॉक स्प्लिट का ऐलान किया है। आइए जानते हैं कि यह तीन कंपनियों कौन सी हैं। कितने टुकड़ों में इनके शेयरों को बांटा जाएगा। इस कंपनी ने शेयर बाजारों को दो जानकारी में कहा है कि 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर को 5 हिस्सों में बांटा जाएगा। इस स्टॉक स्प्लिट के बाद कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू 10 रुपये से घटकर 2 रुपये प्रति शेयर हो जाएगी।गुरुवार को मार्केट के बंद होने के समय पर इस स्टॉक की कीमत 5 प्रतिशत की गिरावट के बाद 92.63 रुपये थी। कंपनी के शेयरों में लोअर सर्किट लगा था। बता दें, पिछले एक साल में शेयरों का दाम 43 प्रतिशत बढ़ चुका है। कंपनी के शेयरों को दो हिस्सों में बांटा जाएगा। इस स्टॉक स्प्लिट के बाद 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले शेयरों का दाम घटकर 5 रुपये प्रति शेयर हो जाएगा। कंपनी ने स्टॉक स्प्लिट के लिए 30 अक्टूबर की तारीख को रिकॉर्ड डेट घोषित किया है। यानी जिन निवेशकों का नाम 30 अक्टूबर को कंपनी के रिकॉर्ड बुक में रहेगा उन्हें ही स्टॉक स्प्लिट का लाभ मिलेगा।गुरुवार को इस कंपनी के शेयरों में भी लोअर सर्किट लगा था। 5 प्रतिशत की गिरावट के बाद बीएसई में स्टॉक की कीमत 363.85 रुपये के स्तर पर आ गया था।

जियो आईपीओ अक्टूबर के अंत में हो सकता लॉन्च! रिटेल निवेशकों के पास होगा बड़ा मौका

नईदिल्ली, एजेंसी। रिलायंस जियो के आईपीओ का इंतजार कर रहे निवेशकों को इस महीने खुशखबरी मिल सकती है। मनी कंट्रोल की रिपोर्ट के अनुसार कंपनी का आईपीओ इस महीने या अक्टूबर में लॉन्च हो सकता है। आईपीओ को लेकर जियो ने अपनी तैयारी पूरी कर ली है। रिपोर्ट के अनुसार विदेश निवेशक भी इस आगामी आईपीओ में पॉजिटिव नजर आ रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि जियो का आईपीओ 21 से 23 अक्टूबर के दौरान खुला रह सकता है। वहीं, एंकर निवेशकों को 19 अक्टूबर को दांव लगाने का मौका मिल सकता है। बीएसई और एनएसई में कंपनी की लिस्टिंग 28 अक्टूबर को होने की संभावना है। आईपीओ की टाइमलाइन कुछ हद तक मार्केट के मौजूदा कंडीशन पर भी निर्भर करेगा। बता दें, आईपीओ की तारीखों को लेकर जियो की तरफ से कोई भी आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।



मामले की जानकारी रखने वाला लोगों के अनुसार जियो ने एफआईआई के साथ एक मीटिंग की है। यह मीटिंग काफी पॉजिटिव थी। इसके अलावा की तरफ से भी अच्छे संकेत लगातार मिल रहे हैं। कंपनी बाजार की मौजूदा स्थिति

पर लगातार नजर बनाए हुए है। हालांकि, बाजार में इस मची उथल-पुथल का जियो के आईपीओ के टाइमलाइन पर असर कम पड़ने की संभावना है।

जियो ने इस साल में जून के महीने

अर्थ/बाजार

महंगाई बहुत बढ़ गई है 45 लाख में अफोर्डेबल हाउस नहीं बन सकता

कोलकाता, एजेंसी। सरकार ने सबको छत दिलवाने के लिए अफोर्डेबल हाउसिंग की नीति बनाई है। लेकिन जिस तरह से महंगाई बढ़ रही है और जमीन एवं मकान बनाने वाली वस्तुओं की कीमत बढ़ रही है। उसे देखते हुए कहा जा रहा है कि सात साल पहले बनी नीति अब बेमानी हो चुकी है। इसलिए देश के रियल एस्टेट डेवलपर्स चाहते हैं कि इस नीति में बदलाव हो। यही नहीं, सरकार अफोर्डेबल हाउस की परिभाषा में भी बदलाव करे। वे चाहते हैं कि अफोर्डेबल हाउसिंग की कीमत में कोई कैपिंग नहीं हो। अभी इसमें 45 लाख रुपये की कैपिंग है।

क्रेडाई ने की है मांग भारत में 13,000 से भी अधिक रियल एस्टेट डेवलपर्स का प्रतिनिधित्व करने वाला संगठन है कंफेडरेशन ऑफ रियल एस्टेट डेवलपर्स एसोसिएशन्स इसका इन दिनों महत्वपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन कोलकाता में हो रहा है। इसी दौरान क्रेडाई के प्रेसिडेंट शेखर पटेल ने कहा कि अब वक्त आ गया है कि सरकार अफोर्डेबल हाउस की परिभाषा बदले। उनका कहना है कि साल 2029 में जो तय हुआ था कि 45 लाख रुपये तक की कीमत के मकानों को ही अफोर्डेबल हाउस माना जाए, उसे हटाना होगा। क्योंकि जिस हिसाब से जमीन की कीमत बढ़ रही है और कंस्ट्रक्शन मेटेरियल महंगा हो रहा है, इतने में मकान बनाना संभव नहीं है।



सीआरईडीएआई ने सरकार से यह रखी मांग

पटेल का कहना है कि इस समय अफोर्डेबल हाउसिंग की नीति में मकान का आकार और मकान की कीमत, दोनों को मानक बनाया गया है। लेकिन अब सरकार को चाहिए कि वह मकान की कीमत की सीमा हटा दे। अफोर्डेबल हाउसिंग में सिर्फ निर्धारित आकार को ही मानदंड बनाया जाए। इस समय देश में सात मेट्रोपॉलिटन शहरों में 60 वर्ग मीटर तक के क्षेत्रफल वाले मकान और अन्य इलाकों में 90 वर्ग मीटर तक के क्षेत्रफल वाले मकानों को इस श्रेणी में रखा गया है। साथ ही उन मकानों की कीमत में 45 लाख रुपये की ऊपरी सीमा या कैपिंग भी तय की गई है। इससे अधिक कीमत के मकानों को इस श्रेणी में नहीं रखा जाता है।

नोएल टाटा ने मांगा टाटा संस की मीटिंग का वीडियो, चंद्रशेखरन की नियुक्ति पर सवाल उठाए



नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप में अब लेटर वॉर शुरू हो गया है। टाटा ट्रस्ट्स और टाटा संस के बीच ने हाल में एकदूसरे को कई पत्र लिखे हैं। ताजा घटनाक्रम में टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा ने टाटा संस बोर्ड को पत्र लिखकर 17 सितंबर की मीटिंग की वीडियो रिकॉर्डिंग और मिनट्स की जानकारी मांगी है। इस मीटिंग में एन चंद्रशेखरन को दोबारा चेयरमैन नियुक्त करने का फैसला लिया गया था।

नोएल टाटा ने 30 सितंबर को टाटा संस के बोर्ड को यह पत्र लिखा था। इसमें उन्होंने उस तरीके पर भी सवाल उठाए जिससे बोर्ड ने मीटिंग के बाद चंद्रशेखरन की दोबारा नियुक्ति को सही ठहराने के लिए दो कानूनी राय पेश कीं। नोएल टाटा का कहना था कि उन्हें मीटिंग में देश के पूर्व चीफ जस्टिस डी.वाई. चंद्रचूड़ से मिली कानूनी राय के खास बिंदुओं को विस्तार से बताने का पर्याप्त मौका नहीं दिया गया। नोएल टाटा ने दावा किया कि प्रस्ताव को नॉमिनेशन एंड रेमुनेरेशन कमिटी की जानकारी के तौर पर पास किया गया था।

अधिकारियों ने बताया कि नोएल टाटा चंद्रचूड़ की रिपोर्ट के आधार पर कास्टिंग वोट और टाटा संस के आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन से जुड़े मुद्दे उठाना चाहते थे। उनका तर्क है कि उसके मूल कंटेंट और समय-समय पर किए गए बदलावों के संदर्भ में पढ़ा जाना चाहिए। टाटा ट्रस्ट्स और टाटा संस ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की।

नोएल टाटा ने 17 सितंबर को टाटा संस बोर्ड के सामने चंद्रचूड़ की रिपोर्ट पेश की और तर्क दिया कि टाटा ट्रस्ट्स के नॉमिनी डायरेक्टर्स को मिले खास वोटिंग अधिकारों को ओवरराइड करने के लिए टाटा संस के चेयरमैन के कास्टिंग वोट का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता।

17 सितंबर को टाटा संस के बोर्ड ने चंद्रशेखरन को 4-1 के बहुमत से फिर से पांच साल के लिए चेयरमैन नियुक्त करने का फैसला किया था। केवल नोएल टाटा ने प्रस्ताव के खिलाफ वोट दिया था। बोर्ड में ट्रस्ट के दूसरे नॉमिनी वेणु श्रीनिवासन ने चंद्रशेखरन की दोबारा नियुक्ति का समर्थन किया। यह बैठक के उस फैसले के बाद हुई थी, जिसमें उसने टाटा संस की प्राइवेट और अनलिस्टेड बन रहने की अपील को ठुकरा दिया था।

किसी डायरेक्टर के पास बोर्ड मीटिंग की वीडियो रिकॉर्डिंग की पूरी कॉपी पाने का कोई असीमित अधिकार नहीं है। लेकिन सेंक्रेटरियल गाइडेंस और कॉर्पोरेट गवर्नेंस के उपाय बताते हैं कि डायरेक्टर को कुछ खास रिकॉर्डिंग देखने की इजाजत दी जा सकती है ताकि वे चर्चा की पुष्टि कर सकें और फाइनल होने से पहले ड्राफ्ट मिनट्स पर कोई टिप्पणी (अगर हो तो) दे सकें।

आवश्यकता आविष्कार की जननी', डिमांड-सप्लाई का गैप पकड़ लगाया दांव, 3 साल में बनाई 3 करोड़ की कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। यह कहानी है मोहिता गुप्ता इंद्रायण की। वह दिल्ली से हैं। उन्होंने डिमांड और सप्लाई के गैप को पहचानकर एक सफल फैशन ब्रांड खड़ा कर दिया है। इसका नाम 'स्प्रिंग सोल' है। साल 2023 में इसकी शुरुआत हुई थी। मोहिता ने इस गैप को तब महसूस किया जब उन्होंने देखा कि जहां एक ओर रेडीमेड कपड़ों में मनपसंद फिटिंग पाना मुश्किल होता है। वहीं दूसरी ओर लोकल बुटीक या डिजाइनर्स के पास जाने पर जेब खिली करनी पड़ती है। यह ब्रांड पारंपरिक भारतीय कपड़ों और जीरो वेस्ट की मिसाल बनकर 3 करोड़ रुपये के सालाना टर्नओवर के आंकड़े को पार कर चुका है। आइए, यहां मोहिता गुप्ता इंद्रायण की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

पहला बिजनेस करना पड़ा बंद

मोहिता दिल्ली में जन्मी और देश-विदेश के अलग-अलग हिस्सों में पली-बढ़ीं। कपड़ों और भारतीय विरासत से उनका पुराना नाता रहा है। लेडी श्री राम कॉलेज से अर्थशास्त्र में ग्रेजुएशन करने के बाद उन्होंने दिल्ली से अपैरल मार्केटिंग और मर्चेंडाइजिंग की पढ़ाई की। शादी के बाद उन्होंने अपने पति के साथ मिलकर साल 2010 में बच्चों के कपड़ों का ब्रांड '612 लीग' शुरू किया। यह बड़ा किड्सवियर ब्रांड बनकर उभरा। हालांकि, कोरोना महामारी के दौरान फिजिकल स्टोर आधारित



यह बिजनेस बंद करना पड़ा। लेकिन, मोहिता के भीतर फैशन और भारतीय विरासत से जुड़ा कुछ नया करने की ललक कायम रही।

डिमांड-सप्लाई के इस गैप को पकड़ा

'612 लीग' के बाद मोहिता ने बाजार का गहराई से अध्ययन किया। पाया कि 5,000 से 15,000 रुपये के बीच के 'मास-प्रीमियम' सेगमेंट में बड़ा खालीपन है। ग्राहकों के पास या तो रेडी-टू-वियर के रूप में सीमित ऑप्शन थे या फिर अनिश्चित क्वालिटी वाले लोकल बुटीक। इस समस्या का समाधान निकालते हुए उन्होंने 2023 में गुरुग्राम से 'स्प्रिंग सोल' की शुरुआत की। इसका

मकसद महिलाओं को बिना डिजाइनर कीमतों के उनकी पसंद के कट, डिजाइन और साइज के अनुसार कस्टमाइज्ड और सुविधाजनक कपड़े उपलब्ध कराना था।बिजनेस के शुरुआती दिनों में गुरुग्राम के यूनिट में दो दिन की बिजली कटौती के वक्त जब उत्पादन रुका और छह कारीगरों को खाली बैठा देखा पड़ा तब 'आवश्यकता ही आविष्कार की जननी है' वाली कहावत सच साबित हुई। मोहिता ने अपने कारीगरों से बचे हुए कपड़ों के टुकड़ों (कतरन) से तुर्की स्टाइल की फैब्रिक ज्वेलरी बनवाई। इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते ही ये पीस रातोंरात बिक गए। इससे ब्रांड का ग्रांस मार्जिन 15 प्रतिशत तक बढ़ गया।

भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में भारी गिरावट, 3 सप्ताह में निकल गए 38 अरब से ज्यादा

मुंबई, एजेंसी। भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार तीसरे सप्ताह भारी गिरावट की खबर है। 25 सितंबर 2026 को सप्ताह के दौरान इसमें भी ज्यादा कमी की खबर है। एक सप्ताह में इतनी गिरावट कभी रिकॉर्ड नहीं की गई थी। इससे एक सप्ताह पहले भी इसमें करीब 14.881 की गिरावट आई थी। उससे एक सप्ताह पहले मतलब कि 11 सितंबर को समाप्त सप्ताह में 4.924 निकल गए थे। मतलब कि तीन सप्ताह में ही 38.148 डॉलर निकल गए। हां, 4 सितंबर 2026 तक लगातार 10 सप्ताह इसमें बढ़ोतरी ही हो रही थी।

विदेशी मुद्रा भंडार में भारी कमी

भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक 25 सितंबर 2026



को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 18.343 की कमी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले भी इसमें 14.881 की कमी हुई थी। अब अपना विदेशी मुद्रा भंडार घट कर 747.557 रहा गया है। इससे पहले 4 सितंबर 2026 को अपना विदेशी मुद्रा भंडार 785.706 के ऑल टाइम हाई पर था।

एफसीए भंडार में खूब हुई कमी

रिजर्व बैंक की तरफ से जारी साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार 25 सितंबर 2026 को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत की विदेशी मुद्रा आस्तियों में 15.570 की कमी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले भी इसमें 14.816 की कमी हुई थी। ताजा कमी के बाद अपना एफसीए भंडार घट कर 615.411 का रह गया है। उल्लेखनीय है कि देश के कुल विदेशी मुद्रा भंडार में विदेशी मुद्रा आस्तियां या फॉरेन करेंसी असेट एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। डॉलर में अभिव्यक्त किये जाने वाले विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पाउंड और येन जैसे गैर अमेरिकी मुद्राओं में आई घट-बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है।

बैंकों के खिलाफ बढ़ती जा रही हैं ग्राहकों की शिकायतें, आरबीआई ने कहा सुधारें अपना सिस्टम

नई दिल्ली, एजेंसी। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने बैंकों में लगातार बढ़ रही ग्राहकों की शिकायतों और सिस्टम की कमियों पर सख्त रुख अपनाया है। आरबीआई ने बैंकों को अपने कामकाज और प्रोसेस में मौजूद खामियों को पहचानकर उन्हें जड़ से खत्म करने के निर्देश दिए हैं। विल वर्थ 2025 में लोकपाल के पास शिकायतों में 13.5 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। आरबीआई ने इस बात पर चिंता जताई कि कई शिकायतें बैंकों के अंदरूनी लोकपाल तक पहुंचे बिना ही सीधे आरबीआई के पास पहुंच रही हैं, जिससे बैंकिंग सिस्टम की शिकायत निपटारे के ढांचे पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

मामले से जुड़े लोगों के मुताबिक, पिछले महीने हुई एक बैठक में आरबीआई ने बैंकों से उन बुनियादी, प्रोसेस और कामकाज से जुड़ी कमियों की पहचान करने को कहा जिनकी वजह से शिकायतें आ रही हैं। साथ ही, बार-बार आने वाली शिकायतों की वजह का पता लगाने का निर्देश दिया। एक अधिकारी ने बताया कि रेगुलेटर ने ऐसे कदम उठाने और लागू करने को कहा है, जिससे इस तरह की शिकायतें बार-बार न आएँ। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि एक

सुलझाने के लिए ट्रेनिंग प्रोग्राम जैसे इंडस्ट्री-लेवल के कदम उठाए जाएँ। इसमें इंडस्ट्री-लेवल पर ट्रेनिंग होगी ही, साथ ही हर बैंक का बोर्ड आरबीआई के दिशानिर्देशों के हिसाब से अपनी अलग रणनीति बनाएगा।जुलाई में बैंकों और आरबीआई से जुड़े अन्य संस्थानों के इंटरनल ओम्बड्समैन की सालाना कॉन्फ्रेंस में, डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन जे. ने ध्यान दिलाया कि आरबीआई लोकपाल के स्तर पर ग्राहकों के हक में सुलझाई गई शिकायतों में से एक बड़ा हिस्सा शुरू में इंटरनल ओम्बड्समैन के पास भेजा ही नहीं गया था। उन्होंने कहा, यह काफी गंभीर चिंता का विषय है क्योंकि इससे इंटरनल ओम्बड्समैन फ्रेमवर्क का पुरा मकसद ही खत्म हो जाता है। एकीकृत लोकपाल योजना जुलाई 2026 से लागू है।





रूरल मैनेजमेंट में करियर की क्या संभावनाएं हैं?

रूरल रीजन की ओर पूरी दुनिया में अब पहले से ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है। ऐसी बहुत-सी नेशनल, इंटरनेशनल, लोकल एजेंसीज और नॉन गवर्नमेंटल बॉडीज हैं जो रूरल मैनेजमेंट की जरूरत को सामने लाई हैं और इसमें करियर की जबरदस्त रिकायरमेंट है। आज रूरल मैनेजमेंट कोर्स स्टूडेंट्स के बीच काफी डिमांडिंग है। अगर आप भी गांवों का डेवलपमेंट करना चाहते हैं, तो जानिए कुछ जरूरी सवाल और उनके जवाब।

रूरल मैनेजमेंट क्यों जरूरी है?

भारत गांवों और किसानों का देश है। जहां लगभग 60 प्रतिशत लोग आज भी गांवों में रहते हैं। आज हम टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। ऐसे में शहर में तो डेवलपमेंट हो रहा है पर गांव में यह न के बराबर है। इसलिए गांव की तस्वीर बदलनी जरूरी है। रूरल मैनेजमेंट कोर्स आपके जच्चे को आगे बढ़ाने में काफी मदद करता है। इसके जरिए आप गांवों की सूरत बदल सकते हैं।

कौन-कौन से कोर्सेज किए जा सकते हैं?

रूरल मैनेजमेंट बहुत से मैनेजमेंट इस्टीमेट्स के माध्यम से डिग्री और डिप्लोमा कोर्स कंडक्ट कराता है। इनमें से कुछ कोर्सेज बहुत पॉपुलर हैं, जैसे- एमबीए इन रूरल मैनेजमेंट, मास्टर ऑफ रूरल मैनेजमेंट, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन रूरल मैनेजमेंट। इन कोर्सेज में एडमिशन के लिए ऑल इंडिया एंट्रेंस टेस्ट होता है। इस टेस्ट में ग्रुप डिक्शन और पर्सनल इंटरव्यू होता है। इन कोर्सेज को जॉइन करने के लिए मिनिमम क्वालिफिकेशन में कंडीडेट को ग्रेजुएट होना चाहिए। इसके अलावा रूरल मैनेजमेंट में फेलोशिप, रूरल टेक्नोलॉजी और डिस्टेंस लर्निंग या करेस्पोंडेंस कोर्सेज कराए जाते हैं।

इसमें करियर की क्या संभावनाएं हैं?

रूरल मैनेजमेंट में करियर की असीम संभावनाएं हैं। इसमें गवर्नमेंट के साथ-साथ नॉन गवर्नमेंट ऑर्गनाइजेशन (एनजीओ) में भी बहुत अवसर हैं। ये ऑर्गनाइजेशंस डेवलपमेंट स्कीम्स और प्रोग्राम्स को मैनेज करने के लिए कंट्रैक्ट बेसिस पर लोगों को हायर करते हैं। जो कंडीडेट बहुत टैलेंटेड होते हैं, उन्हें यूपन की स्पेशलाइज्ड एजेंसीज में भी जॉब मिल सकती है। इंटरनेशनल एनजीओ के पास रूरल मैनेजर्स के लिए बहुत से ऑप्शन होते हैं। इसके अलावा कंडीडेट खुद का एनजीओ शुरू कर सकते हैं और गांवों के विकास के लिए काम कर सकते हैं।



इंजीनियरिंग-मेडिकल से हटकर भी हैं कई रास्ते

12वीं साइंस के बाद ज्यादातर छात्रों के दिमाग में दो ही नाम घूमते हैं, इंजीनियरिंग या मेडिकल. लेकिन अगर आपको मन न तो डॉक्टर बनने में है और न ही इंजीनियरिंग करने में, तो परेशान होने की जरूरत नहीं है. साइंस स्ट्रीम आपके लिए कई दूसरे शानदार करियर के दरवाजे भी खोलती है. आप अपनी पसंद और रुचि के हिसाब से इन क्षेत्रों में आगे बढ़ सकते हैं. आइए जानते हैं 12वीं साइंस के बाद इंजीनियरिंग और मेडिकल के अलावा 7 बेहतरीन करियर ऑप्शन.

डेटा साइंस और एनालिटिक्स

आज हर कंपनी को डेटा एनालिस्ट की जरूरत है. मैथ्स और स्टैटिस्टिक्स में रुचि रखने वाले स्टूडेंट्स डेटा साइंस में ग्रेजुएशन कर सकते हैं. यह फील्ड आईटी, बैंकिंग, हेल्थकेयर हर सेक्टर में डिमांड में है और सैलरी पैकेज भी शुरुआत से ही अच्छा मिलता है.

बायोटेक्नोलॉजी में स्कोप

जिन स्टूडेंट्स को बायोलॉजी पसंद है लेकिन मेडिकल नहीं करना चाहते, उनके लिए बायोटेक्नोलॉजी एक

बेहतरीन ऑप्शन है. फार्मा कंपनियों, रिसर्च लैब और एप्लीकल्वर सेक्टर में बायोटेक ग्रेजुएट्स की मांग लगातार बढ़ रही है.

एनवायरमेंटल साइंस

क्लाइमेट चेंज और प्रदूषण जैसे मुद्दों के चलते एनवायरमेंटल साइंस में करियर के नए दरवाजे खुले हैं. सरकारी और गैर-सरकारी दोनों संस्थानों में एनवायरमेंटल एक्सपर्ट्स की जरूरत बढ़ रही है, साथ ही यह फील्ड सामाजिक बदलाव से भी जुड़ी है.

एविएशन और पायलट ट्रेनिंग

फिजिक्स और मैथ्स पढ़ने वाले स्टूडेंट्स के लिए पायलट बनना भी एक शानदार करियर विकल्प है. कमर्शियल पायलट ट्रेनिंग के बाद एविएशन इंडस्ट्री में शुरुआती सैलरी भी काफी आकर्षक होती है, हालांकि ट्रेनिंग की फीस अधिक होती है.

फॉरेंसिक साइंस

क्राइम इन्वेस्टिगेशन में रुचि रखने वाले स्टूडेंट्स

फॉरेंसिक साइंस चुन सकते हैं. पुलिस डिपार्टमेंट, सीबीआई और प्राइवेट लैब में फॉरेंसिक एक्सपर्ट्स की मांग रहती है. यह फील्ड साइंस और जांच दोनों का मेल है, जो स्टूडेंट्स को रोमांचक अनुभव देती है.

स्पोर्ट्स साइंस और न्यूट्रिशन

फिटनेस और खेल में रुचि रखने वाले स्टूडेंट्स स्पोर्ट्स साइंस चुन सकते हैं. एथलीट्स की परफॉर्मेंस बेहतर बनाने में यह फील्ड अहम भूमिका निभाती है और स्पोर्ट्स इंडस्ट्री के बढ़ने के साथ इसमें भी मौके बढ़ रहे हैं.

कैसे करें सही चुनाव

करियर एक्सपर्ट्स की सलाह है कि सिर्फ टैंड देखकर फैसला न लें, बल्कि अपनी रुचि और क्षमता को भी ध्यान में रखें. किसी भी नए फील्ड में जाने से पहले उस इंडस्ट्री के बारे में पूरी जानकारी लेना और सीनियर्स से बात करना बेहद फायदेमंद साबित होता है.

10वीं के बाद तुरंत चाहिए नौकरी? ये टॉप जॉब ओरिएंटेड कोर्स

10वीं बोर्ड परीक्षा पास करने के बाद ज्यादातर स्टूडेंट्स के सामने सबसे बड़ा सवाल होता है कि आगे कौन-सा कोर्स चुना जाए, जिससे कम समय में अच्छी नौकरी मिल सके और प्युचर ब्राइट हो. कई ऐसे प्रोफेशनल और स्किल-बेस्ड कोर्स हैं, जिन्हें करने के बाद सरकारी और प्राइवेट दोनों सेक्टर में रोजगार के अच्छे अवसर मिलते हैं. खास बात यह है कि इनमें से कई कोर्स कम फीस में पूरे हो जाते हैं और जल्दी जॉब शुरू करने का मौका भी देते हैं. अगर आप भी 10वीं के बाद करियर को लेकर कन्फ्यूज हैं, तो यहाँ जानिए ऐसे टॉप जॉब ओरिएंटेड कोर्स, उनकी एलिजिबिलिटी और करियर स्कोप.

10वीं के बाद कौन-सा कोर्स दिला सकता है जल्दी नौकरी

आज के समय में केवल डिग्री ही नहीं, बल्कि स्किल्स की भी उतनी ही मांग है. इसलिए ऐसे कोर्स चुनना बेहतर माना जाता है जो इंडस्ट्री की जरूरतों के मुताबिक हों. पॉलिटेक्निक, आईटीआई, पैरामेडिकल और डिजिटल स्किल कोर्स जैसे विकल्प कम समय में बेहतर रोजगार दिलाने में मदद करते हैं.

पॉलिटेक्निक डिप्लोमा

अगर आपको रुचि टेक्निकल फील्ड में है, तो पॉलिटेक्निक डिप्लोमा एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है. मैकेनिकल, सिविल, इलेक्ट्रिकल और कंप्यूटर साइंस जैसी ब्रांच में डिप्लोमा करने के बाद रेलवे, सरकारी विभागों और निजी कंपनियों में जूनियर इंजीनियर स्तर की नौकरियों के अवसर मिलते हैं. इसके अलावा, डिप्लोमा के बाद बीटेक के दूसरे वर्ष में लेटरल एंट्री लेकर आगे की पढ़ाई भी की जा सकती है.

आईटीआई कोर्स

आईटीआई देश के सबसे लोकप्रिय स्किल डेवलपमेंट कोर्स में से एक है. फिटर, इलेक्ट्रिशियन, वेल्डर, COPA, टर्नर और डीजल मैकेनिक जैसी ट्रेड्स की इंडस्ट्री में हमेशा मांग रहती है. कोर्स पूरा करने के बाद भारतीय रेलवे, क्राश्रक ड्यूक, बिजली कंपनियों और ऑटोमोबाइल सेक्टर में टेक्नीशियन के तौर पर रोजगार मिलने की संभावना रहती है.

पैरामेडिकल डिप्लोमा

स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार होने के साथ पैरामेडिकल प्रोफेशनल्स की मांग लगातार बढ़ रही है. द्रस्त्र, एक्स-रे टेक्नीशियन और हड्डि टेक्नीशियन जैसे कोर्स करने वाले युवाओं को अस्पतालों, पैथोलॉजी लैब, डायग्नोस्टिक सेंटर और हेल्थकेयर सेक्टर में रोजगार के अच्छे अवसर मिलते हैं. यह उन स्टूडेंट्स के लिए अच्छा विकल्प है, जो मेडिकल फील्ड में करियर बनाना चाहते हैं.

डिजिटल स्किल कोर्स

डिजिटल इंडिया और ऑनलाइन बिजनेस के दौर में डिजिटल स्किल्स की मांग तेजी से बढ़ी है. डिजिटल मार्केटिंग, ग्राफिक डिजाइनिंग, वेब डेवलपमेंट, टैली और लस्त्र जैसे शॉर्ट-टर्म कोर्स कुछ ही महीनों में पूरे किए जा सकते हैं. इनकी मदद से स्टूडेंट्स प्रीलासिंग, स्टार्टअप, ई-कॉमर्स कंपनियों या प्राइवेट सेक्टर में शुरुआती नौकरी हासिल कर सकते हैं. सही कोर्स चुनते समय इन बातों का रखें ध्यान कोई भी कोर्स चुनने से पहले अपनी रुचि, क्षमता और प्युचर स्कोप को ध्यान में रखें. साथ ही, जिस संस्थान में एडमिशन ले रहे हैं, उसकी मान्यता जरूर जांच लें. AICTE, NCVT, NIELIT या संबंधित राज्य परिषद से मान्यता प्राप्त संस्थान से किया गया कोर्स भविष्य में ज्यादा लाभदायक साबित होता है.



करियर में चाहिए तरक्की, ब्रिज मेंटरशिप से मिलेगी सफलता की नई राह

अधिक एक्सपीरियंस वाले व्यक्ति को मेंटर कहा जाता है। आमतौर पर मेंटर अपने करियर या शिक्षा में आगे होते हैं। ऐसे में वह नए लोगों को अपने अनुभव के आधार पर मोटिवेट कर उनका मोटिवेट करते हैं और रोल मॉडल के रूप में अपना काम कर सकते हैं।

आज के युग में प्रतिस्पर्धा चल रही है, फिर चाहे आप स्टूडेंट हों या फिर नौकरी की तलाश कर रहे हों। हर क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा है।

ऐसे में सभी को किसी न किसी मेंटर की जरूरत होती है। मेंटरशिप में एक से अधिक एक्सपीरियंस व्यक्ति किसी अन्य पेशेवर के साथ बुद्धिमता और ज्ञान साझा करते हैं। जिससे कि उनको आगे बढ़ने में सहायता मिल सके। अधिक एक्सपीरियंस वाले व्यक्ति को मेंटर कहा जाता है। आमतौर पर मेंटर अपने करियर या शिक्षा में आगे होते हैं। ऐसे में वह नए लोगों को अपने अनुभव के आधार पर मोटिवेट कर उनका मोटिवेट करते हैं और रोल मॉडल के रूप में अपना काम कर सकते हैं।

ब्रिज मेंटरशिप

एक रिसर्च से पता चलता है कि 71वें मेंटर अपने ही पेशे वाले कर्मचारियों का मार्गदर्शन करना पसंद करते हैं। इस अवधारणा को ब्रिज मेंटरशिप कहा जाता है। जहां पर मेंटर और मेंटी नियमित रूप से आमने-सामने

मिलते हैं। जिससे के दोनों तरफ से साझेदारी बनाई जा सके। इस प्रोसेस के दौरान मेंटी को मेंटर के दृष्टिकोण, अनुभूति और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि की गहरी समझ हासिल करने में सहायता मिलती है। यह प्रक्रिया प्रशिक्षण के साथ सहानुभूति और अंतर-सांस्कृतिक संचार को बढ़ावा देती है।

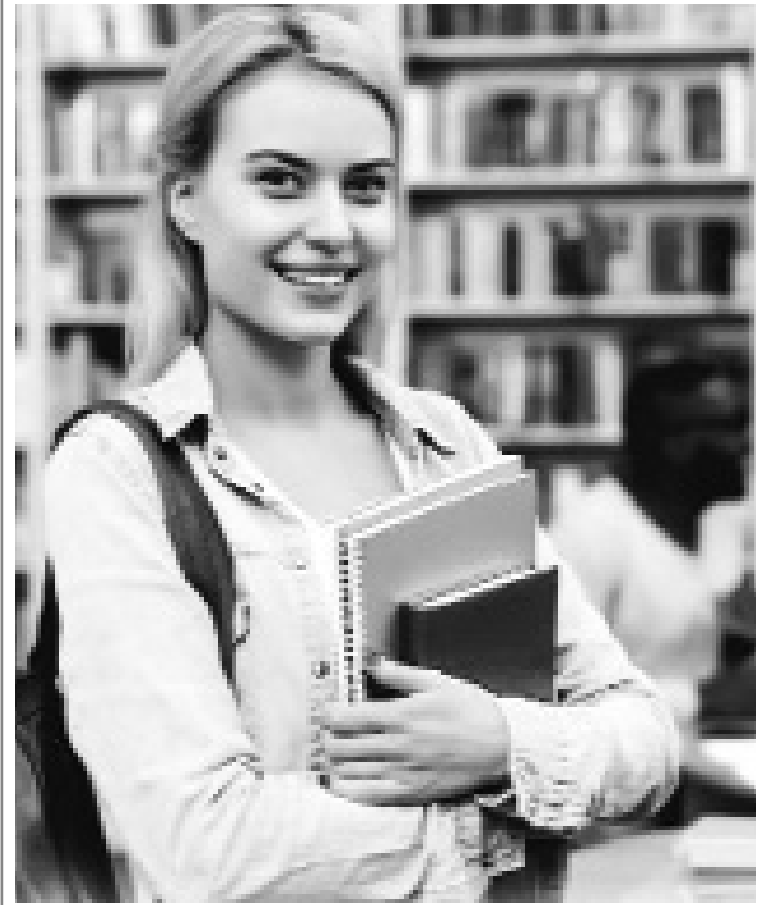
बातचीत को करें प्रोत्साहित

अधिकतर मेंटरशिप की तरह ही ब्रिज मेंटरशिप के अपने कुछ दिशा-निर्देश होते हैं। जिनमें मेंटी और मेंटर दोनों की तरफ से विश्वास और गोपनीयता शामिल है। इस आधार पर एक सहायक और सेफ वातावरण बनता है। जिससे दोनों तरफ से खुली बातचीत को प्रोत्साहन मिलता है। यह प्रोसेस दोनों पक्ष के स्तर पर विजय पाने में सहायता करती है। वहीं सभी लोगों के लिए एक सांस्कृतिक रूप से समक्ष कार्य का वातावरण का निर्माण करती है।

कार्यक्रमों में लें हिस्सा आप अपने क्षेत्र या अपने विशिष्ट समुदायों के भीतर संपर्क बढ़ाने के उद्देश्य से ब्रिज मेंटरशिप के लिए आयोजित कार्यक्रमों में भाग लेकर अपने नेटवर्क को बढ़ा सकते हैं। इससे आपको उन लीडर्स तक पहुंचने में सहायता मिलेगी, जोकि उच्च पदों पर कार्यरत हैं। साथ ही आपकी सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से भी भलीभांति परिचित है।

खोजें ऐसे सेंटर

बता दें कि आप ऑनलाइन प्लेटफॉर्म ऐसे प्लेटफॉर्म खोज सकते हैं, जो मेंटर से मिलाने पर फोकस करते हैं। वहीं आप अपने संगठन के अंदर एक ऐसी परियोजना में हिस्सा ले सकते हैं, जिसमें तमाम विभागों या फिर कार्यात्मक क्षेत्रों के लोग एक साथ मिलकर काम करते हैं। इसके अलावा दूसरे विभागों के लीडर्स से भी मिल सकते हैं। ब्रिज मेंटरशिप के लिए आपको सुरक्षित क्षेत्र से बाहर निकलना होता है। जहां पर आप संभावित सेंटर्स से मिलने के लिए कह सकते हैं, जिससे कि आप उनके विचारों को जान सकें। साथ ही यह भी कि क्या वह इस रिश्ते को आगे बढ़ाना चाहते हैं।



2027 वनडे विश्व कप

क्रिकेटरों की नई पीढ़ी को प्रेरित करेगा: डिविलियर्स

नई दिल्ली । दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स को उम्मीद है कि 2027 पुरुष वनडे विश्व कप देश के क्रिकेटरों की नई पीढ़ी को प्रेरित करेगा। उन्होंने बताया कि कैसे 2003 में देश में हुए एंडिशन ने 19 साल की उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने की चाहत रखने वाले उनके शुरुआती सफर को आकार दिया। दक्षिण अफ्रीका 2 अक्टूबर से 21 नवंबर, 2027 तक जिम्बाब्वे और नामीबिया के साथ 50 ओवर के इस मेगा इवेंट को को-होस्ट करेगा।

डिविलियर्स ने वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लेजेंड्स के ऑफिशियल ब्रॉडकास्टर फैनकोड की एक खास चैट में आईएनएस से कहा, ‘2027 में वनडे वर्ल्ड कप 2003 के बाद पहली बार साउथ अफ्रीका वापस आ रहा है। 2003 वर्ल्ड कप ने मेरे करियर में बहुत बड़ा रोल निभाया। इसका मुझ पर



बहुत बड़ा असर पड़ा। मुझे साफ तौर पर याद है कि एक ऑस्ट्रेलियाई ने यूनिवर्सिटी ऑफ प्रिटोरिया में एक क्रिकेटिंग क्लिनिक किया था। वहीं मैंने उस समय, 19 साल की उम्र में क्रिकेट खेला था। मैं एडम गिलक्रिस्ट को थोड़ा और बेहतर जान पाया। उन्होंने उस दिन मेरी विकेटकीपिंग स्किल्स पर काम किया।’ उन्होंने कहा,

‘उन्हें उस समय कोई आइडिया नहीं था कि मैं कौन हूं। मुझे उनके साथ एक बहुत अच्छा पल साफ तौर पर याद है। उन्होंने मुझे अपने बाएं हाथ पर काम करने के लिए कहा और कहा, ‘ऑल द बेस्ट, यंगस्टर।’ तीन साल बाद, मैंने उनके खिलाफ टेस्ट मैच और वनडे क्रिकेट खेला। इसका मुझ पर बहुत बड़ा असर पड़ा और मुझे पूरा यकीन है कि 2027 वर्ल्ड कप का भी साउथ अफ्रीका के युवाओं पर वैसा ही असर पड़ेगा, जो एक दिन अपने देश का प्रतिनिधित्व करने की उम्मीद कर रहे हैं।’ डिविलियर्स ने कहा, ‘पैसे के हिसाब से, साउथ अफ्रीका में वर्ल्ड कप होना बहुत अच्छा है, जिसे नामीबिया और जिम्बाब्वे भी मिलकर होस्ट कर रहे हैं और मैं बाकी दुनिया के लोगों के आने और साउथ अफ्रीका के शानदार हिस्सों का मजा लेने और हम कितने अच्छे होस्ट हैं, यह देखने का इंतजार कर रहा हूं। मैं दक्षिण अफ्रीका का भी घरेलू मैदान पर समर्थन करना चाहूंगा।

युजवेंद्र चहल ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट को अलविदा कहा

देश के लिए टेस्ट खेलने का सपना रहा अधूरा



नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। चहल अब कभी भी लाइट जर्सी में रेड बॉल क्रिकेट खेलते हुए दिखाई नहीं देंगे। चहल ने इंस्टाग्राम के माध्यम से अपने फैसले की जानकारी दी। चहल ने लिखा, ‘मैंने जो पहली क्रिकेट बॉल पकड़ी थी, वह रेड बॉल थी। मैं 10 साल का था, और मुझे तब कोई अंदाजा नहीं था कि मुझे इस खेल से इतना प्यार हो जाएगा। मेरे लिए, रेड-बॉल क्रिकेट कभी भी सिर्फ एक और फॉर्मेट नहीं था। यहीं पर मैंने सब्र, कैरेक्टर, मजबूती और घंटों तक मैदान पर रहने, हर रन और हर विकेट के लिए लड़ने की असली खुशी का मतलब सीखा।’ उन्होंने लिखा, ‘मैंने अपना आखिरी फर्स्ट-क्लास मैच लॉर्ड्स में खेला। यह कहना भावुक करने वाला है क्योंकि टेस्ट कैप हमेशा एक सपना था, जिसे मैंने कई सालों तक अपने साथ रखा।

संक्षिप्त समाचार

किशन के नाम जुड़ी एक और बड़ी उपलब्धि

यह मुकाम हासिल करने वाले बने महज दूसरे भारतीय बल्लेबाज

निशिन । एशियन गेम्स 2026 का फाइनल मुकाबला भारत और पाकिस्तान के बीच कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेला जा रहा है। गोल्ड मेडल के लिए खेले जा रहे मुकाबले में ईशान किशन ने 18 गेंदों में 20 रन बनाए। भले ही ईशान इस मैच में बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे, लेकिन उन्होंने ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल कर ली है। ईशान किशन ने साल 2026 में टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में एक हजार रन पूरे कर लिए हैं। वह एक कैलेंडर ईयर में एक हजार रन पूरे करने वाले महज



दूसरे भारतीय बल्लेबाज हैं। ईशान इस साल अब तक 169 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 1,005 रन बना चुके हैं। ईशान से पहले यह कारनामा सूर्यकुमार यादव ने किया है, जिन्होंने साल 2022 में 187 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 1,164 रन बनाए थे। एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ी कर्णबीर सिंह के नाम है, जिन्होंने साल 2025 में 174 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 1,472 रन बनाए थे। वहीं, मोहम्मद रिजवान ने 2021 में 1,326 रन बनाए थे। भारतीय टीम ने फाइनल मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 211 रन बनाए। टीम की ओर से अभिषेक शर्मा एक बार फिर बेहतरीन लय में दिखाई दिए और उन्होंने 28 गेंदों में 3 चौके और 7 छक्कों की मदद से 61 रनों की तूफानी पारी खेली।

भारत बनाम वेस्टइंडीज

रोहित शर्मा का एक और बड़ा कारनामा

सचिन के बाद यह मुकाम हासिल करने वाले बने दूसरे भारतीय

न्यू चंडीगढ़ । भारत और वेस्टइंडीज के बीच तीसरा और आखिरी वनडे मुकाबला न्यू चंडीगढ़ के पीसीए क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है। टॉस जीतकर भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया है। रोहित शर्मा ने इस मुकाबले में 2 रन बनाने के साथ ही खास मुकाम हासिल कर लिया है। रोहित शर्मा ने वनडे क्रिकेट में बतौर सालामी बल्लेबाज 10 हजार रन पूरे कर लिए हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे वनडे में 2 रन बनाने के साथ ही रोहित ने इस उपलब्धि को अपने नाम किया। रोहित भारत की ओर से यह मुकाम हासिल करने वाले महज दूसरे बल्लेबाज हैं। उनसे पहले यह कारनामा सिर्फ सचिन तेंदुलकर ही कर सके हैं। रोहित ओवरऑल इस उपलब्धि तक पहुंचने वाले विश्व के चौथे बल्लेबाज हैं। रोहित बतौर ओपनर सबसे तेज 10 हजार रन पूरे करने वाले बल्लेबाज भी बने हैं। उन्होंने यह मुकाम अपनी 202वीं पारी में हासिल किया। इस मैच से पहले रोहित ने 201 पारियों में ओपनिंग बल्लेबाज के तौर पर 9,998 रन बनाए थे। रोहित का प्रदर्शन दूसरे वनडे मुकाबले में शानदार रहा था।



अभिषेक शर्मा के टी20 में 400 छक्के पूरे

क्रिस गेल को इन 2 मामलों में पछाड़ा

निशिन । एशियन गेम्स 2026 में एक और स्वर्ण आ गया है। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 19 रन से हराकर स्वर्ण जीत लिया है। भारत के स्टार ओपनर अभिषेक शर्मा ने शनिवार को कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में एशियन गेम्स के गोल्ड मेडल मैच में पाकिस्तान के खिलाफ 28 गेंदों पर 61 रन की पारी खेली और टीम का स्कोर 6 विकेट पर 211 तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। अभिषेक ने अपनी इस विस्फोटक पारी के दौरान कई उपलब्धियां हासिल कीं। अभिषेक ने अपनी 61 रन की पारी के दौरान 7 छक्के लगाए। पारी का दूसरा छक्का लगाते ही अभिषेक के टी20 क्रिकेट में 400 छक्के पूरे हो गए। शर्मा के अब कुल 405 छक्के हो गए हैं। अभिषेक ने टी20 क्रिकेट में सबसे तेज 400 छक्के लगाने के मामले में क्रिस गेल को पीछे छोड़ते हुए दूसरा स्थान हासिल किया। गेल ने 400 छक्के लगाने के लिए 3,557 गेंदें खेली थीं। अभिषेक ने 3,513 गेंदों में अपने 400 छक्के पूरे किए। टी20 क्रिकेट में सबसे तेज 400 छक्के लगाने का रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के आंद्रे रसेल के नाम है। रसेल ने 3,027 गेंदों पर 400 छक्के लगाए हैं। अभिषेक ने अपनी 61 रन की पारी के दौरान एक और बड़ा रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने 2026 में 100 टी20 छक्के भी पूरे किए। एक कैलेंडर साल में सबसे तेज 100 छक्के लगाने के मामले में वे दूसरे स्थान पर आ गए। अभिषेक ने 651 गेंदों पर 100 छक्के लगाए। इस मामले में अभिषेक ने दक्षिण अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस और क्रिस गेल को पीछे छोड़ा। एक साल में सबसे तेज 100 छक्के लगाने के मामले में भी आंद्रे रसेल पहले नंबर पर हैं। अभिषेक शर्मा मौजूदा दौर में पूरी दुनिया में टी20 फॉर्मेट के एक श्रेष्ठ ओपनर के रूप में खुद को स्थापित कर चुके हैं। 6 जुलाई 2024 को अपने करियर की शुरुआत करने वाले अभिषेक ने 62 मैचों की 61 पारियों में 3 शतक और 13 अर्धशतक लगाते हुए 1,926 रन बनाए हैं।

हमवतन धीरज बोम्मादेवरा को हराया

ओकाजाकी । एशियन गेम्स 2026 में भारतीय तीरंदाज नीरज चौहान ने शनिवार को ओकाजाकी चुओ सोगो पार्क मल्टीपर्स स्क्वेयर में पुरुषों के व्यक्तिगत रिकर्व इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल के लिए हुए मुकाबले में अपने ही देश के धीरज बोम्मादेवरा को हराया। पांच सेट तक चले मुकाबले में नीरज ने धीरज को 6-4 से हराकर ब्रॉन्ज मेडल पर कब्जा जमाया। दोनों तीरंदाज अपने-अपने सेमीफाइनल मैच हारने के बाद इस मुकाबले में उतरे थे। नीरज को सेमीफाइनल में जापान के जुन्या नाकानिशी से 1-7 से हार मिली थी, जबकि धीरज को अंतिम चार में साउथ

कोरिया के ली वू-सेओक से हार का सामना करना पड़ा था। ब्रॉन्ज मेडल मुकाबले में नीरज ने पहला सेट 29-26 के स्कोर से जीता, जबकि दूसरा सेट 27-28 से और तीसरा सेट भी 28-29 से हार गए। धीरज 4-2 से आगे थे और उन्हें सिर्फ एक सेट जीतने की जरूरत थी, लेकिन नीरज ने चौथा सेट शानदार तरीके से खेला और तीन बार 10 का स्कोर करके स्कोर 4-4 से बराबर कर दिया। धीरज ने आखिरी सेट की शुरुआत 8 के स्कोर के साथ की, जबकि नीरज ने 10 का स्कोर किया। धीरज ने सुधार करते हुए दो बार



10 का स्कोर किया और आखिरी सेट में कुल 28 प्वाइंट बनाए। नीरज को ब्रॉन्ज मेडल जीतने के लिए 19 अंकों की जरूरत थी। उन्होंने अपने आखिरी दो तीरों पर 9 और 10 का स्कोर करके ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। दोनों तीरंदाजों ने इससे पहले मिक्स्ट और टीम इवेंट में मेडल जीते थे। धीरज ने मिक्स्ट इवेंट के फाइनल में कुमकुम मोहोद के साथ सिल्वर मेडल जीता था, जहां उन्हें गोल्ड मेडल के मुकाबले में चीन से हार मिली थी। इसके अलावा, धीरज ने नीरज और यशदीप भोग के साथ टीम सिल्वर मेडल भी जीता था। फाइनल में उन्हें साउथ कोरिया से

हार का सामना करना पड़ा और वे गोल्ड मेडल नहीं जीत पाए। इन खेलों में भारतीय महिला तीरंदाजों का प्रदर्शन बेहद शानदार रहा है। कुमकुम मोहोद ने एशियन गेम्स में इतिहास रचा। उन्होंने साउथ कोरिया की ओह येजिन को हराकर व्यक्तिगत रिकर्व स्पर्धा में गोल्ड मेडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनने का कारनामा किया। इसके अलावा, उन्होंने कीर्ति शर्मा और अंकिता भकात के साथ मिलकर टीम स्पर्धा में भी गोल्ड मेडल जीता। इस तिकड़ी ने फाइनल में 10 बार की चैंपियन कोरियाई टीम को चौकाते हुए जीत हासिल की।

भारतीय ताइक्वांडो टीम का पदक जीतने का सपना रहा अधूरा



तोयोहाशी । भारत का एक और एशियन गेम्स ताइक्वांडो अभियान बिना किसी पदक के समाप्त हो गया। देश की तीन सदस्यीय महिला टीम आइची-नागोया 2026 से खाली हाथ लौटी। यह प्रतियोगिता शनिवार को जापान के तोयोहाशी जिमनेजियम में खत्म हो जाएगी। कशिश मलिक, ज्योति यादव और रूपा बेथोर चार मेडल इवेंट्स में भारत की तरफ से उतरी थीं,

लेकिन किसी भी इवेंट में इनमें से कोई भी एथलीट पोजियम फिनिश नहीं कर सकी। भारत का आखिरी एशियन गेम्स ताइक्वांडो मेडल 2002 में बुसान में सुरेंद्र भंडारी ने जीता था। सुरेंद्र ने ब्रॉन्ज मेडल जीता था। कशिश ने गेम्स में भारत को सबसे ज्यादा जीत दिलाई और मिक्स्ट इंडिविजुअल वचुंअल ताइक्वांडो इवेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंची, जो आइची-नागोया में एशियन

गेम्स में डेब्यू कर रहा था। उन्होंने हांगकांग, चीन की सियू वाई लैम पर 2-0 की जीत के साथ शुरुआत की और दोनों राउंड 800-500 और 400-0 से जीते। उनका कैपेन क्वार्टर फाइनल में कजाकिस्तान की रीता बाकिशेवा के खिलाफ खत्म हुआ, जिन्होंने आखिर में ब्रॉन्ज मेडल जीता। कशिश के पहले राउंड में 320-0 की बढ़त लेने के बाद उन्होंने पहला राउंड 320-0 से जीता, लेकिन कजाख खिलाड़ी ने अगले दो राउंड 460-0 और 340-0 से जीतकर 2-1 से जीत पक्की कर ली। भारतीय खिलाड़ी ने पहले महिलाओं के -57 किग्रा कॉम्पिटिशन में भी हिस्सा लिया था, जहां उनका सामना झों में सबसे मजबूत नामों में से एक से हुआ था। पेरिस 2024 की ओलंपिक चैंपियन, कोरिया गणराज्य की किम यू-जिन ने कशिश को 2-0 (18-3, 17-2) से हराया। ज्योति का कैपेन महिलाओं की प्रतियोगिता में राउंड ऑफ 16 चरण पर खत्म हुआ।

एशियन गेम्स में भारत की बेटियों ने जीता गोल्ड

पीएम बोले- भारतीय हॉकी के लिए बहुत खास पल

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम ने यादगार प्रदर्शन करते हुए एशियन गेम्स 2026 में ऐतिहासिक गोल्ड मेडल जीता। भारतीय टीम ने फाइनल मुकाबले में चीन को 1-0 से हराया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस खास उपलब्धि के लिए भारत की बेटियों की जमकर सराहना की है। पीएम मोदी ने पीएमओ के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ‘भारतीय हॉकी के लिए एक बहुत ही खास पल। भारत के लोग महिला हॉकी टीम की सफलता का जश्न मना रहे हैं, जिन्होंने एशियन गेम्स में शानदार गोल्ड मेडल जीता है और वो भी चार दशकों से ज्यादा समय के बाद। यह बेहतरीन कौशल और टीमवर्क का नतीजा है। उनका जज्बा भी बहुत प्रेरणादायक है। टीम को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए

मेरी शुभकामनाएं। उम्मीद है कि यह सफलता देशभर में हॉकी की लोकप्रियता बढ़ाने में योगदान देगी।’ केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री और अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरन रिजजू ने भी भारतीय महिला टीम को बधाई देते हुए ‘एक्स’ पर लिखा, ‘भारत के लिए गोल्ड की कामयाबी। 44 साल बाद भारतीय महिला हॉकी को गोल्ड मेडल जीतने पर बधाई। हुनर, पक्के इरादे और टीमवर्क का शानदार प्रदर्शन। बहुत बढ़िया, चैंपियंस।’ केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने भारतीय महिला टीम के प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने अपने ‘एक्स’ पर लिखा, ‘भारतीय खेलों के लिए एक ऐतिहासिक दिन।



नशे को जड़ से खत्म करने के लिए पंजाब पुलिस में 10 हजार नए पद भरे जाएंगे: भगवंत सिंह मान

नशे के खिलाफ अंतिम और निर्णायक लड़ाई लड़ रहा पंजाब ड़्क भगवंत सिंह मान

पुलिस को नशा खत्म करने के लिए हर जायज कार्रवाई करने की खुली छूट ड़्क भगवंत सिंह मान

***चंडीगढ़,।** मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज नशे की बुराई को जड़ से उखाड़ने के लिए पंजाब पुलिस में 10,000 नए पद भरने की घोषणा करते हुए कहा कि पंजाब ‘युद्ध नशे के विरुद्ध’ के अंतिम और निर्णायक चरण पर जंज लड़ रहा है।

अपनी तरह की पहली ‘एस.एच.ओ.ज. मिलनी’ के दौरान शानदार कारगुजारी वाले पुलिस अधिकारियों को सम्मानित करने के लिए करवाए गए समारोह में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पुलिस को नशे के खिलाफ हर जायज कार्रवाई करने की खुली छूट दी गई है। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को गांवों और कस्बों में जाने, लोगों को साथ लेने और इस बुराई पर रोक लगाने के आदेश दिए। उन्होंने कहा कि ‘युद्ध नशे के विरुद्ध’ अब पूरे पंजाब में जन लहर बन चुका है, जबकि पुलिस फोर्स को जल्द ही 450 ए.एस.आई.

हरियाणा में बेरोजगार युवाओं के लिए सक्षम एवं बेरोजगारी भत्ता योजनाएं

पंचकूला, युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता विभाग, हरियाणा सरकार द्वारा रोजगार विभाग के माध्यम से सक्षम एवं बेरोजगारी भत्ता योजनाएं चलाई जा रही हैं। इन योजनाओं का लाभ लेने के लिए पात्र प्रार्थी रोजगार विभाग की वेबसाइट hre&.gov.in पर अपना पंजीकरण करवाकर लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

इस संबंध में जानकारी देते हुए जिला रोजगार अधिकारी सविता लांबा ने बताया कि सक्षम योजना के तहत बेरोजगार युवाओं को बेरोजगारी भत्ता प्रदान किया जाता है। इसके लिए प्रार्थी हरियाणा का निवासी होना चाहिए तथा संबंधित रोजगार कार्यालय में विभाग की वेबसाइट hre&.gov.in पर पंजीकृत होना आवश्यक है। इसके अलावा आवेदक का नाम प्रत्येक वर्ष 1 नवंबर को राज्य के किसी भी रोजगार कार्यालय में लगातार कम से कम तीन वर्षों से पंजीकृत होना चाहिए। उन्होंने बताया कि प्लस टू पास प्रार्थी ने नियमित विद्यार्थी के रूप में हरियाणा अथवा यूटी चंडीगढ़ में स्थित विद्यालयों से एचबीएसई, सीबीएसई अथवा



और 3,400 पुलिस जवान मिलेंगे।

इस समारोह की कुछ झलकियां साझा करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने एक्स पर लिखा- आज महाराजा रणजीत सिंह अकादमी, फ़िल्मौर में डी.जी.पी. से लेकर एस.एच.ओ. तक के पंजाब पुलिस अधिकारियों के साथ अहम मीटिंग की। ‘युद्ध नशे के विरुद्ध’ अभियान के तहत हमने पुलिस को नशा तस्करों के खिलाफ कानून के दायरे में सख्त कार्रवाई करने की पूरी खुली छूट दी हुई है। फोर्स को अत्याधुनिक सुविधाएं देने के साथ-साथ हम बिना किसी सिफारिश या पक्षपात के 10,000 नई भर्तियां



भी करने जा रहे हैं। आओ संकल्प लें कि जब तक नशे की बुराई को जड़ से नहीं उखाड़ दिया जाता, हम न रुकेगे और न ही झुकेगे। हम किसी भी मां या बहन की आंख में आंसू नहीं आने देंगे और नशा मुक्त ‘रंगला पंजाब’ बनाएंगे। इंकलाब जिंदाबाद।

पुलिस जवानों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, यह एक ऐतिहासिक पहल है जिसके माध्यम से मैं, डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डी.जी.पी.) के साथ मिलकर आपके कामकाज के हालातों को समझने, आपकी समस्याएं सुनने और आपकी भलाई के लिए कदम उठाने के

लिए एस.एच.ओ.ज के साथ सीधा संपर्क कायम कर रहा हूं। अपनी ड्यूटी पूरी लगन और ईमानदारी से निभाने वाले पुलिस कर्मचारियों को बधाई देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, एस.एच.ओ.ज पर बहुत बड़ी जिम्मेदारी होती है क्योंकि जमीनी स्तर पर आप ही पुलिस का चेहरा हैं। लोग अपनी फरियादें लेकर आपके पास आते हैं और ईसाफ, सुरक्षा तथा तुरंत कार्रवाई की उम्मीद रखते हैं। उन्होंने कहा, हमारी सरकार पुलिस जवानों के दबाव और चुनौतियों को समझती है और आपकी वाजिब चिंताओं के प्रति हमदर्दी भरा रवैया अपना रही है।

दित्यांग त्यक्तियों का सम्मान, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता पंजाब सरकार की प्राथमिकता; अब तक करीब 255 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता जारी-डॉ. बलजीत कौर

मुख्यमंत्री स.भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में राज्य के 2.84 लाख लाभार्थियों तक पहुंच रही है वित्तीय सहायता

चालू वित्त वर्ष के लिए 498.16 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान, सामाजिक सुरक्षा को मिली और मजबूती



व्यक्ति के सपनों, सम्मान और प्रगति के मार्ग में बाधा नहीं बननी चाहिए। इसी सोच के साथ सरकार केवल वित्तीय सहायता ही नहीं, बल्कि दित्यांग व्यक्तियों को आत्मविश्वास, स्वावलंबन और समाज में समान रूप से आगे बढ़ने के अवसर भी उपलब्ध करवा रही है। कैबिनेट मंत्री ने बताया कि इस योजना के तहत इस समय करीब 2.84 लाख लाभार्थियों को नियमित रूप से वित्तीय सहायता उपलब्ध करवाई जा रही है, जिससे उन्हें अपनी रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करने और सम्मानपूर्वक जीवन व्यतीत करने में सहायता मिल रही है। डॉ.

बलजीत कौर ने बताया कि दित्यांग व्यक्तियों के लिए वित्तीय सहायता योजना को और मजबूत बनाने के लिए पंजाब सरकार ने चालू वित्त वर्ष के दौरान 498.16 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया है, जो सामाजिक सुरक्षा के प्रति सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि स.भगवंत सिंह मान सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि कल्याणकारी योजनाओं का लाभ हर पात्र लाभार्थी तक पूरी पारदर्शिता और समयबद्ध तरीके से पहुंचे। उन्होंने कहा, «किसी भी संवेदनशील और प्रगतिशील समाज की पहचान इस बात से होती है कि वह अपने सबसे अधिक जरूरतमंद नागरिकों के साथ कितनी मजबूती से खड़ा रहता है। पंजाब सरकार हर दित्यांग व्यक्ति को सम्मान, सुरक्षा और समान अवसर प्रदान करने के लिए लगातार प्रयासरत रहेगी।»

डॉ. बलजीत कौर ने दित्यांग व्यक्तियों और उनके परिवारों से अपील की कि वे सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। उन्होंने समाज के प्रत्येक वर्ग, जनप्रतिनिधियों और स्थानीय संस्थाओं से भी अपील की कि वे पात्र लाभार्थियों की पहचान करने में सहयोग करें, ताकि कोई भी हकदार व्यक्ति सरकारी सहायता से वंचित न रहे।

एनआईए में निशुल्क स्वर्णप्राशन शिविर का आयोजन

बच्चों को स्वास्थ्य के प्रति किया गया जागरूक

पंचकूला, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान (एनआईए), पंचकूला में निशुल्क स्वर्णप्राशन शिविर आयोजित किया गया। आयुष मंत्रालय भारत सरकार के तत्वाधान में संस्थान के कुलपति प्रोफेसर डॉ. संजीव शर्मा और डीन प्रोफेसर गुलाब चंद पमनानी के मार्गदर्शन में कौमारभृत्य विभाग की ओर से आयोजित शिविर में बच्चों के स्वास्थ्य, स्वस्थ वृद्धि एवं समग्र विकास के प्रति अभिभावकों को आयुर्वेद आधारित बाल स्वास्थ्य पद्धतियों के बारे में जागरूक किया गया।

एनआईए के डीन इंचार्ज प्रोफेसर सतीश गंधर्व एवं डीएम्एस डॉ. गौरव गांग के निर्देशानुसार आयोजित शिविर में कौमारभृत्य विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अर्पणा दिलीप द्वारा अभिभावकों को बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर जानकारी दी। उन्होंने बच्चों

के अभिभावकों को बाल स्वास्थ्य तथा बच्चों के स्वस्थ विकास के लिए अपनाई जाने वाली निवारक स्वास्थ्य पद्धतियों बारे अवगत कराया गया। आयं वैद्यशाला कोड्डकल के सहयोग से आयोजित शिविर में बड़ी संख्या में बच्चों ने स्वर्णप्राशन का सेवन किया। आगामी स्वर्णप्राशन शिविर 31 अक्टूबर शनिवार को आयोजित किया जाएगा।

कौमारभृत्य विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर प्रितेश कुमार वर्मा ने बताया कि स्वर्णप्राशन को बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में महत्वपूर्ण माना जाता है। उन्होंने कहा कि नियमित रूप से स्वर्णप्राशन के सेवन से बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता, शक्ति, भूख और स्वास्थ्य में सुधार में मदद मिलती है। इसका प्रमुख उद्देश्य बच्चों की स्वस्थ वृद्धि, विकास और समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देना है। उन्होंने बताया कि शिविर के माध्यम से अभिभावकों को बच्चों के स्वास्थ्य की निवारक देखभाल के प्रति जागरूक करने के साथ आयुर्वेद की उपयोगिता से भी परिचित कराया जा रहा है।

‘गैंगस्टर्स ते वार’ अभियान का 256वां दिन-पंजाब पुलिस ने 592 स्थानों पर छापेमारी की; 275 गिरफ्तार

‘युद्ध नशेयां विरुद्ध’ के 581वें दिन 146 नशा तस्कर 11.7 किलोग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार

चंडीगढ़, राज्य में चल रहे ‘गैंगस्टर्स ते वार’ अभियान के 256वें दिन पंजाब पुलिस ने आज पूरे राज्य में गैंगस्टर्स के सहयोगियों के चिन्हित और मैप किए गए 592 ठिकानों पर छापेमारी की।

उल्लेखनीय है कि ‘गैंगस्टर्स ते वार’ अभियान पंजाब को गैंगस्टर-मुक्त राज्य बनाने के लिए निर्णायक लड़ाई है। इस अभियान की शुरुआत पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने 20 जनवरी, 2026 को की थी। सभी जिलों की पुलिस टीमों ‘एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स’ पंजाब के समन्वय से पूरे राज्य में विशेष अभियान चला रही है।

अभियान के 256वें दिन पुलिस टीमों ने 275 व्यक्तियों को 16 हथियारों सहित गिरफ्तार किया। इसके साथ ही अभियान की शुरुआत से अब तक कुल 75,810 गिरफ्तारियां हो चुकी हैं।

इसके अलावा 195 व्यक्तियों के खिलाफ एहतियाती कार्रवाई की गई है। पुलिस टीमों ने इस अभियान के दौरान छह भगोड़े अपराधियों को भी गिरफ्तार किया है।

लोग ‘एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर 93946-93946’ के माध्यम से वांछित अपराधियों और गैंगस्टर्स के बारे में गुप्त रूप से जानकारी दे सकते हैं तथा अपराध और अपराधिक गतिविधियों के बारे में भी सूचना साझा कर सकते हैं।

इस दौरान पुलिस टीमों ने नशों के खिलाफ अपनी मुहिम ‘युद्ध नशेयां के विरुद्ध’ को 581वें दिन भी जारी रखा। इसके तहत आज 146 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया और उनके कब्जे से 11.7 किलोग्राम हेरोइन, 672 ग्राम अफीम, 80 किलोग्राम भुक्षी, 1,699 नशीली गोलिएयां और 15,600 रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई।

इसके साथ ही, केवल 581 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या 81,602 तक पहुंच गई है। नशा छुड़ाने के अभियान के तहत पंजाब पुलिस ने आज 29 व्यक्तियों को नशा छोड़ने और पुनर्वास उपचार के लिए राजी किया है।

भगवंत मान सरकार ने ट्रिपल एच स्क्रीनिंग को ‘युद्ध नशेयां विरुद्ध’ अभियान का हिस्सा बनाया

सरकारी नशा मुक्ति केंद्रों में एचआईवी, हेपेटाइटिस-बी और हेपेटाइटिस-सी की जांच जल्द शुरू होगी

‘युद्ध नशेयां विरुद्ध’ पंजाब को मजबूत, स्वस्थ और खुशहाल बनाने वाली क्रांति का नेतृत्व कर रहा है-डॉ. बलबीर सिंह

चंडीगढ़,। पंजाब में नशों के सेवन और संक्रामक बीमारियों के खिलाफ चल रही लड़ाई को और तेज करने के उद्देश्य से सरकारी नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्रों में जल्द ही एचआईवी, हेपेटाइटिस-बी और हेपेटाइटिस-सी की जांच के लिए ट्रिपल एच स्क्रीनिंग शुरू की जाएगी। यह फैसला भगवंत मान सरकार की ‘युद्ध नशेयां विरुद्ध’ पहल का हिस्सा है। इसका उद्देश्य नशे की लत से जूझ रहे लोगों को गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने के साथ-साथ राज्य में रक्त के माध्यम से फैलने वाली बीमारियों की रोकथाम करना है। एचआईवी, हेपेटाइटिस-बी और हेपेटाइटिस-सी जैसे वायरल संक्रमण एक ही सुई और सिरिंज को बार-बार इस्तेमाल करने के कारण फैल सकते हैं। इन बीमारियों की समय पर पहचान और उपचार नशे की लत से उबर रहे लोगों को फिर से समाज की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। पिछले कई वर्षों से एचआईवी और हेपेटाइटिस की जांच के लिए लगभग दो महीने के अंतराल पर शिविर लगाए जाते थे। इन शिविरों के माध्यम से जांच की सुविधा तो मिलती थी, लेकिन यह पता लगा कि अगर निगरानी करने की व्यवस्था बहुत सीमित थी कि किस व्यक्ति ने जांच करवाई, कौन जांच से वंचित रह गया और किन व्यक्तियों को आगे चिकित्सकीय देखभाल की आवश्यकता है। नई पहल के तहत जांच को समय-समय पर लगाए जाने वाले शिविरों तक सीमित रखने के बजाय सीधे नशा मुक्ति और पुनर्वास प्रक्रिया से जोड़ा जाएगा। इससे नियमित रूप से जांच के अवसर उपलब्ध होने के साथ-साथ ऐसे लोगों की पहचान करने में भी मदद मिलेगी, जिन्हें आगे की जांच, उपचार या निरंतर चिकित्सकीय देखभाल की आवश्यकता है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने कहा, इंजेक्शन के माध्यम से नशीले पदार्थों का सेवन करने वाले लोगों में रक्त के माध्यम से फैलने वाले संक्रमणों का जोखिम अधिक होता है। इसलिए उचित चिकित्सकीय देखभाल और काउंसलिंग उपलब्ध करवाने के लिए ऐसी बीमारियों की समय पर पहचान करना बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने आगे कहा, मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व में ‘युद्ध नशेयां विरुद्ध’ अभियान एक मजबूत, स्वस्थ और खुशहाल पंजाब बनाने वाली क्रांति का नेतृत्व कर रहा है। हमारा उद्देश्य केवल लोगों को नशे की लत से मुक्त करवाना ही नहीं, बल्कि उन्हें स्वस्थ जीवन जीने और समाज में सार्थक योगदान देने में सक्षम बनाना भी है। एचआईवी, हेपेटाइटिस-बी और हेपेटाइटिस-सी की जांच को नशा मुक्ति सेवाओं के साथ जोड़कर सरकार नशे से उबर रहे लोगों के लिए बेहतर और उवल भविष्य सुनिश्चित करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। पहले, यदि कोई व्यक्ति जांच शिविर में जाने से चूक जाता था, तो उसे अगले शिविर के लिए कई सप्ताह या महीनों तक इंतजार करना पड़ता था।

हरियाणा में प्रतिभा की कमी नहीं, युवाओं को सही दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी स्किल गैप रिपोर्ट : मुख्यमंत्री

गुडगांव, एजेंसी। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह ने कहा कि हरियाणा में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, जरूरत केवल इस प्रतिभा को सही दिशा देने की है और आज जारी की गई हरियाणा स्टेट स्किल गैप स्टडी तथा प्रत्येक जिले की स्किल गैप स्टडी रिपोर्ट इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि इस रिपोर्ट के केंद्र में प्रदेश के युवाओं का भविष्य है और इसमें उद्योगों की जरूरत, प्रत्येक जिले की प्रतिभा एवं क्षमता तथा युवाओं को उनकी क्षमता के अनुरूप अवसर देने का आकलन किया गया है। उन्होंने कहा कि हरियाणा के युवाओं के टैलेंट, साहस, परिश्रम और मेहनत ने प्रदेश की पहचान को वैश्विक स्तर पर मजबूत किया है। ऐसे में यह रिपोर्ट युवाओं की प्रतिभा को सही दिशा देने और उन्हें उद्योग की जरूरत के अनुरूप कौशल से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

मुख्यमंत्री वीरवार को गुरुग्राम के सेक्टर 51 स्थित गुरुग्राम विश्वविद्यालय में हरियाणा राज्य कौशल अंतराल अध्ययन तथा 23 जिला कौशल अंतराल रिपोर्टों के विमोचन कार्यक्रम को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में हरियाणा के युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता मंत्री गौरव गौतम बतौर विशिष्ट अतिथि, सोहना के विधायक तेजपाल तंवर, पटौदी की विधायक बिमला चौधरी, गुरुग्राम विधायक मुकेश शर्मा, मुख्यमंत्री के ओएसडी एवं स्वर्ण जयंती हरियाणा इंस्टीट्यूट ऑफ फिस्कल मैनेजमेंट के महानिदेशक डॉ राज नेहरू मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सेनी ने कहा कि आज देश-दुनिया के निवेशक हरियाणा में निवेश के लिए इच्छुक हैं और प्रदेश में लगातार नई-नई इंडस्ट्री स्थापित हो रही हैं। ऐसे में सरकार की जिम्मेदारी है कि निवेशकों और उद्योगों की बदलती जरूरत के अनुरूप प्रदेश के युवाओं को कुशल बनाया जाए। उन्होंने कहा कि पिछले लगभग 12 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुद्रा योजना, स्किल डेवलपमेंट और मेक इन इंडिया जैसे प्रयासों को गति दी है, वहीं हरियाणा ने भी औद्योगिकीकरण की दिशा में तेजी से प्रगति की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सेमीकंडक्टर, ऑटोमोबाइल, एआई, इलेक्ट्रॉनिक्स, सोलर और ईवी जैसे क्षेत्रों में तेजी से बदलाव हो रहा है, इसलिए युवाओं को नई तकनीक के अनुरूप प्रशिक्षित करना जरूरी है।

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कालका में अंगदान जागरूकता शिविर आयोजित

पंचकूला/कालका, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कालका की एनएसएस इकाइयों द्वारा आज रोटीर क्लब, कालका के सहयोग से अंगदान जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. सीमा सिंह के मार्गदर्शन में एनएसएस कार्यक्रम अधिकारियों डॉ. आशीष कुमार एवं सुश्री सविता द्वारा किया गया। इस अवसर पर सुश्री सस्यू डी. मद्रा, कंसल्टेंट, ROTTO North, PGI ने अंगदान के महत्व पर जागरूकता व्याख्यान दिया तथा विद्यार्थियों को अंगदान के माध्यम से जीवन बचाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में लगभग 83 एनएसएस स्वयंसेवकों ने भाग लिया और अंगदान को बढ़ावा देने

तथा इसके प्रति समाज में जागरूकता फैलाने की शपथ ली। प्राचार्या डॉ. सीमा सिंह ने स्वयंसेवकों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि अंगदान मानवता की सेवा का एक महान कार्य है।

किसानों की फसल का एक-एक दाना खरीदेगी पंजाब सरकार : लाल चंद कटारूचक्क



चंडीगढ़/तरनतारन, । पंजाब के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंत्री लाल चंद कटारूचक्क ने आज तरनतारन दाना मंडी में धान की खरीद व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार किसानों की मेहनत से पैदा की गई फसल का एक-एक दाना खरीदेगी। उन्होंने कहा कि राज्य में धान की सरकारी खरीद 1 अक्टूबर से

शुरू हो चुकी है और किसानों को मंडियों में अपनी फसल बेचते समय किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं आने दी जाएगी। इस अवसर पर उन्होंने गांव कर्मूवाला के किसान सुलखण सिंह और गांव सखीरा के किसान शमशेर सिंह की फसल की खरीद भी करवाई। उन्होंने मंडी में खरीद, लिफ्टिंग, भुगतान, बारदाने सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने किसानों, आद्वितियों

और मजदूरों से भी बातचीत की। इस दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए कैबिनेट मंत्री ने कहा कि इस वर्ष मंडियों में धान की भरपूर फसल पहुंच रही है और फसल की गुणवत्ता भी बेहतर है। उन्होंने बताया कि खरीद सीजन के दौरान केंद्रीय पूल के लिए 180 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए राज्य सरकार द्वारा मंडियों में सभी पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। उन्होंने बताया कि किसानों

को उनकी फसल का भुगतान पारदर्शी तरीके से सीधे बैंक खातों में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 42,786 करोड़ रुपये की नकद ऋण सीमा (सी.सी.एल.) की मंजूरी मिल चुकी है, जिससे धान की खरीद के लिए आवश्यक वित्तीय प्रबंध सुनिश्चित किए गए हैं। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे फसल के पूरी तरह पकने और सूखने के बाद ही कटाई करें तथा मंडियों में निर्धारित मानकों के अनुसार सूखा धान ही लेकर आएंगे।